राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 140 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, गुरूवार, 02 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

मौसम ने बदली करवट
मुंबई-पुणे में झमाझम

मुंबई

दक्षिण पूर्वी अरब सागर, मालदीव और लक्षद्वीप के ऊपर बने चक्रवाती हालत की वजह से मुंबई, पुणे समेत राज्य के कई शहरों में बुधवार को मौसम ने अपना रंग बदल लिया । सुबह से ही मुंबई, ठाणे, पालघर और पुणे में रुक-रुक कर भारी बारिश होती रही। मौसम विभाग (IMD)ने अगले तीन दिनों के लिए इन शहरों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही बारिश की वजह से तापमान में कमी देखी जा सकती है।

कामकाजी दिन होने के कारण बुधवार को मुंबईकरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पुणे और मुंबई में बारिश से सड़कों पर यातायात आवागमन की रफ्तार भी धीमी दिखाई दे रही थी। इन शहरों के आलावा नासिक, धुले, नंदुरबार, जलगांव, औरंगाबाद, जालना और बीड जिले में भी मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। पुणे में मंगलवार को दिन के दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस साल नवंबर के महीने में 30.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है जो एक दशक में दूसरी सबसे अधिक बारिश है। महीने के लिए सबसे अधिक बारिश नवंबर 2019 में 109.3 मिमी दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी वर्षों में 5 मिमी से कम बारिश हुई है। आईएमडी सांताक्रूज वेधशाला द्वारा दर्ज की गई 30.1 मिमी बारिश में से 21-22 नवंबर के बीच अधिकतम 24.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह आईएमडी वर्गीकरण के अनुसार मध्यम वर्षा श्रेणी में आता है।

23 देशों में ओमिक्रॉन की दस्तक
30 से ज्यादा देशों ने ट्रैवल बैन से लेकर बॉर्डर तक सील किए

जिनेवा। कोरोना वायरस का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन दुनियाभर में तेजी से फैल रहा है। पिछले एक हफ्ते में ही यह दक्षिण अफ्रीका से लेकर 23 देशों में पहुंच चुका है। प्रभावित देशों के अलावा अब तक कुल 30 से ज्यादा देशों ने इस वैरिएंट को रोकने के लिए ट्रैवल बैन सहित अपने बॉर्डर तक सील कर दिए हैं।

ओमिक्रॉन अब तक ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोत्सवाना, कनाडा, चेक गणराज्य, डेनमार्क, जर्मनी, हॉंगकॉंग, इजराइल, इटली, जापान, नीदरलैंड, नाइजीरिया, पुर्तगाल, रीयूनियन, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन में पहुंच चुका हैं। बुधवार को दक्षिण कोरिया में भी इसके 5 मामले सामने आए हैं। पांचों नागरिक नाइजीरिया से यहां पहुंचे थे।

चीन और हांगकांग में टोटल बैन

चीन में पहले से ही बॉर्डर पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए गए थे। यहां केवल नागरिकों और परमिट होल्डर को ही देश में आने की अनुमति है। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग ने दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना, इस्वातिनी, लेसोथो, मलावी, मोजाम्बिक, नामीबिया और जिम्बाब्वे से आने वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाया है।

हॉन्गकॉन्ग ने अंगोला, इथियोपिया, नाइजीरिया और जाम्बिया को भी प्रतिबंध वाले देशों में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही वैसे लोग जो देश के नागरिक नहीं हैं और पिछले 21 दिनों में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, कनाडा, चेक गणराज्य, डेनमार्क, जर्मनी, इजराइल और इटली गए थे, उन्हें भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है। बुधवार को इस लिस्ट में जापान, पुर्तगाल और स्वीडन को शामिल किया गया है।

सऊदी अरब पहुंचा ओमिक्रॉन

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रान ने दक्षिण कोरिया और सऊदी अरब में दस्तक दे दी है। दोनों ही मुल्कों में इस वैरिएंट का पहला केस सामने आया है। इसको लेकर नित नए खुलासे हो रहे हैं। इसको लेकर डब्ल्यूएचओ भी चिंता जाहिर कर चुका है। अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसको डेल्टा वैरिएंट से भी खतरनाक बताया है। दक्षिण अफ्रीका के संचारी रोग संस्थान के निदेशक का कहना है कि इस बात की प्रबल संभावना है कि यह कोरोना के सबसे संक्रामक डेल्टा वैरिएंट को भी पीछे छोड़ देगा।

गाइडलाइन : महाराष्ट्र-केंद्र सरकार में खींचतान

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के मद्देनजर लागू किए गए दिशानिर्देशों को लेकर केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार आमने-सामने आ गए हैं। केंद्र ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार को बताया कि ओमिक्रॉन के खतरे के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर उसके द्वारा लगाए गए प्रतिबंध स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 28 नवंबर को जारी एसओपी से अलग हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने एक पत्र में महाराष्ट्र से राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों को स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों से अनुरूप करने का आग्रह किया है।

भूषण के पत्र में चार दिशानिर्देशों का विशेष रूप से उल्लेख किया है। इसमें i) मुंबई हवाई अड्डे पर सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का अनिवार्य आरटी-पीसीआर परीक्षण (RT-PCR Test), चाहे

वह किसी भी देश का हो; ii) आगमन पर आरटी-पीसीआर टेस्ट नेगेटिव होने के बावजूद, सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए अनिवार्य 14 दिन का होम क्वारंटाईन; iii) मुंबई में लैंडिंग के बाद कनेक्टिंग फ्लाइट शुरू करने की योजना बना रहे यात्रियों के लिए अनिवार्य आरटी-पीसीआर परीक्षण और नेगेटिव आरटी-पीसीआर नतीजे आने के बाद ही आगे की यात्रा; iv) अन्य राज्यों से महाराष्ट्र की यात्रा करने वाले घरेलू यात्रियों के लिए यात्रा की तारीख से 48 घंटे पहले नेगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट लागू होना जरूरी है, शामिल हैं।

राजेश भूषण ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह केंद्र की ओर से जारी गाइडलाइंस का पालन करें जिससे कि सभी राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में दिशानिर्देशों का एक समान कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। केंद्र ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन को लेकर पैदा चिंताओं के बीच राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को किसी मामले की जल्द पहचान के लिए जांच बढ़ाने, विदेश से आने वाले यात्रियों की प्रभावी निगरानी करने और 'हॉटस्पॉट' की सख्त निगरानी करने की सलाह दी है।

सावधान! फिर आ रहा चक्रवाती तूफान
बेमौसम बारिश होगी

नई दिल्ली

उत्तर आंध्र प्रदेश और ओडिशा तट के आस पास के इलाकों में डीप डिप्रेशन के चलते एक चक्रवाती तूफान बन रहा है जो तीन दिसंबर को मजबूत होकर उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और चार दिसंबर की सुबह उत्तरी आंध्र प्रदेश-ओडिशा के तटवर्ती क्षेत्रों से टकराएगा। इसका नाम चक्रवात जोवाड़ रखा गया है। वहीं पश्चिमोत्तर और मध्य भारत के आस पास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ ने दस्तक दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इसकी वजह से मौसम का मिजाज बदलेगा जिसकी वजह से देश के कई इलाकों में दो दिसंबर तक तेज बारिश होगी।

मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह

यही नहीं दक्षिण पूर्वी अरब सागर पर भी एक चक्रवाती क्षेत्र बना हुआ है, जिसकी वजह से अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। जानकारी के मुताबिक पश्चिमोत्तर और मध्य भारत के आस पास बने पश्चिमी विक्षोभ की वजह से गुजरात के कुछ हिस्सों में दो दिसंबर तक भारी बारिश का अनुमान है।

चार दिसंबर को आंध्र से टकराएगा तूफान

मौसम विभाग की मानें तो अंडमान सागर के मध्य भाग पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र बुधवार तक पश्चिम उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए बंगाल की मध्य खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान के रूप में तब्दील होकर चार दिसंबर को उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तट से टकराएगा। इसकी वजह से ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटवर्ती जिलों के साथ साथ आंध्र प्रदेश के उत्तरी तटवर्ती क्षेत्रों में भारी से बहुत ज्यादा भारी बारिश होने का अनुमान है। यही नहीं उत्तरी-पूर्वी राज्यों में भी पांच से छह दिसंबर को भारी बारिश होगी।

Short News एक नजर

बूस्टर डोज के रूप में मिले कोविशील्ड को मंजूरी

नई दिल्ली। पुणे की सीरम इंस्टीट्यूट (SII) ने भारत में बूस्टर डोज के रूप में कोविशील्ड वैक्सीन के लिए DCGI से अनुमति मांगी है। इससे पहले कंपनी के CEO अदार पूनावाला ने मंगलवार को कहा था कि ओमिक्रॉन वैरिएंट से निपटने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट कोविशील्ड का बूस्टर डोज बना सकता है। पूनावाला ने कहा था- ओमिक्रॉन पर स्टडी की जा रही है। इस पर और जानकारी मिलने में अभी 2 हफ्ते का समय लगेगा। ऑक्सफोर्ड के साइंटिस्ट्स भी नए वैरिएंट पर रिसर्च कर रहे हैं। उनके रिजल्ट्स के आधार पर हम नई वैक्सीन ला सकते हैं, जो 6 महीने के अंदर बूस्टर डोज के तौर पर लगाई जा सकेगी।

पुलिस पर फायरिंग कर आतंकी फरार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार शाम आतंकी वारदात सामने आई। घाटी के राजौरी कदाल इलाके में एक संदिग्ध आतंकी ट्रैफिक पुलिस के जवान मोहम्मद अब्दुल्लाह पर फायरिंग कर मौके से फरार हो गया। हमले में पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। गोलीबारी करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ FIR दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने आतंकी के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

बैंकों में हड़ताल की चेतावनी

नई दिल्ली। देश की दो सरकारी बैंकों के प्रस्तावित निजीकरण के खिलाफ नौ बैंक संगठनों के महासंघ युनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने 16 दिसंबर से दो दिनी हड़ताल का आह्वान किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने फरवरी में पेश केंद्रीय बजट में घोषणा की थी कि दो सरकारी बैंकों (PSBs) का निजीकरण किया जाएगा। सरकार अपने विनिवेश कार्यक्रम के तहत यह निजीकरण करने जा रही है। केंद्र सरकार 2019 में आईडीबीआई बैंक का पहले ही निजीकरण कर चुकी है। उसने इस बैंक में अपनी बहुमत की हिस्सेदारी एलआईसी को बेच दी है। बीते चार सालों में 14 सरकारी बैंकों का विलय भी किया जा चुका है।

अब यूपीए नहीं रहा : ममता
पवार से मिलने के बाद राहुल पर दादागीरी

मुंबई

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और TMC प्रमुख ममता बनर्जी ने कांग्रेस और उसके युवराज राहुल गांधी पर बुधवार को दो टूक अंदाज में तंज कसा और उसके अस्तित्व पर ही सवाल खड़े कर दिए। ममता ने NCP चीफ शरद पवार से मिलने के बाद कांग्रेस नेतृत्व वाले UPA को लेकर कहा कि अब यूपीए कोई गठबंधन नहीं है। यह खत्म हो चुका है। इससे पहले TMC प्रमुख ने राहुल गांधी पर सिविल सोसाइटी के सदस्यों से मुलाकात के दौरान निशाना साधा। उन्होंने राहुल का नाम लिए बिना कहा कि अगर कोई कुछ करता नहीं है, विदेश में रहता है तो कैसे चलेगा। इसीलिए हमें कई दूसरे राज्यों में जाना पड़ा है। शरद पवार और ममता के बीच सिल्वर ओक अपार्टमेन्ट में तकरीबन एक घंटे तक बातचीत हुई। इस मुलाकात के बाद एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल का पुराना नाता रहा है।

पवार ने कहा, कल चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी की आदित्य ठाकरे और संजय राउत से मुलाकात हुई और आज यह एक पॉलिटिकल डिस्कशन के लिए यहां आई हैं। उन्होंने बंगाल में हुई जीत को लेकर अपने एक्सपीरियंस को हमसे शेयर किया है। पवार ने कांग्रेस को भी विपक्ष के इस नए मोर्चे में शामिल करने को लेकर कहा कि जो भी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ हैं, वह हमारे साथ खड़े होकर भाजपा का मुकाबला कर सकते हैं।

कांग्रेस का पलटवार

हमारे बिना भाजपा को हराना नामुमकिन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सभी भारतीय राजनीति की सच्चाई और वास्तविकता पता है। यह सोचना कि कांग्रेस के साथ बिना भाजपा को हराया जा सकता है, यह एक सपने की तरह है, जो कभी पूरा नहीं हो सकता। दरअसल, ममता ने मुंबई में कहा था कि अगर सभी क्षेत्रीय दल साथ आ जाएं तो भाजपा को हराया जा सकता है।

अकाली को झटका : भाजपा में सिरसा

जालंधर

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (DSGMC) के प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पार्टी के पंजाब चुनाव प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम सहित दूसरे नेताओं ने सिरसा को भाजपा में शामिल किया। इस मौके पर शेखावत ने कहा कि सिरसा के आने से पंजाब में तीन महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ा फायदा होगा। सिरसा के अलावा अकाली दल में रह चुके परमिंदर सिंह बराड़ भी भाजपा में शामिल हो गए। अकाली दल के स्टूडेंट विंग एसओआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके परमिंदर सिंह बराड़ कुछ दिन पहले ही अकाली दल छोड़कर कांग्रेस में चले गए थे, मगर बुधवार को उन्होंने फिर पलटी मारते हुए भाजपा जॉइन कर ली।

सिरसा ने कहा कि वह अपने साथ काम करने वाले सभी सदस्यों, पदाधिकारियों और अन्य लोगों को बता देना चाहते हैं कि उन्होंने दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट

कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। वह भविष्य में दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी का चुनाव नहीं लड़ेंगे मगर अपने समुदाय, राष्ट्र और मानवता की सेवा पहले की तरह ही करते रहेंगे। सिख कौम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का (DSGMC) बहुत अहम संस्था है। पंजाब विधानसभा चुनाव सिर पर हैं और ऐसे समय में अकाली दल के किसी वरिष्ठ नेता का यूं अचानक DSGMC जैसी संस्था के प्रधान पद से त्यागपत्र दे देना किसी के गले से नहीं उतर रहा।

अब मथुरा की तैयारी : मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के एक ट्वीट ने राजनीतिक गलियारे में हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि अयोध्या और काशी में भव्य मंदिर निर्माण जारी है और अब मथुरा की तैयारी है। केशव मौर्य के इस बयान से संकेत साफ हैं कि भाजपा यूपी चुनाव में विकास के साथ हिंदुत्व के मुद्दे को भी हवा देने का मन बना चुकी है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अपने ट्वीट में कहा कि 'अयोध्या और काशी में

भव्य मंदिर निर्माण जारी है। मथुरा की तैयारी है।' मौर्य ने अपने ट्वीट के साथ ही #जय_श्रीराम, #जय_शिव_शम्भू और #जय_श्री_राधे_कृष्ण का हैशटैग भी लगाया।

अयोध्या, काशी और मथुरा शुरू से ही भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे में शामिल रहा है।

10 करोड़ लोगों को मिला ई-श्रम कार्ड
यही तो संकल्प से सिद्धि की यात्रा हैः मोदी

नई दिल्ली

देश के असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए केंद्र सरकार ने ई-श्रम पोर्टल लांच किया था। इस पोर्टल से 10 करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। वहीं, पोर्टल से रजिस्टर्ड कामगारों को ई-श्रम कार्ड भी मिला है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- यही तो संकल्प से सिद्धि की यात्रा है। देश के करोड़ों श्रमिकों और कामगारों का सामर्थ्य आज नए भारत का आधारस्तंभ बन रहा है। उनकी सामाजिक सुरक्षा में ही देश का मजबूत भविष्य छिपा है।

क्या है फायदेः ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड कामगारों का डेटाबेस तैयार होगा। पोर्टल से जुड़ने वाले कामगारों को पीएम सुरक्षा बीमा योजना के तहत दो लाख रुपए तक की बीमा भी मिलती है। बीमा के लिए प्रीमियम की जरूरत नहीं है। वहीं, दुर्घटना से हुई मृत्यु अथवा स्थाई रूप से विकलांग होने पर दो लाख और आंशिक रूप से विकलांग होने पर एक लाख रुपए की अनुदान राशि मिलती है। अलग-अलग तरह के सामाजिक सुरक्षा लाभों का वितरण भी ई-श्रम के द्वारा किया जाएगा। आपदा या महामारी जैसी विषम परिस्थितियों में केंद्र और राज्य सरकारों से मदद मिलने में आसानी होगी।

देश भर के स्कूलों में कामन पाठ्यक्रम की सिफारिश

नई दिल्ली। सीबीएसई, आइसीएससी और राज्य शिक्षा बोर्डो में बंटी स्कूली शिक्षा को एक जैसा स्वरूप देने के लिए संसद की स्थायी समिति ने देश भर के स्कूलों के लिए एक समान (कामन) पाठ्यक्रम विकसित करने का सुझाव दिया है। साथ ही शिक्षा मंत्रालय से कहा है कि वह इससे जुड़ी संभावनाओं पर काम करें। स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले सभी विषयों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए। समिति का कहना है कि इससे स्कूली शिक्षा में एकरूपता आएगी और देश भर के सभी स्कूली छात्रों का एक ही शैक्षणिक स्टैंडर्ड होगा। भाजपा सांसद डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे की अगुवाई वाली शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने स्कूली शिक्षा को लेकर यह अहम सिफारिश उस समय की है, जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अमल का काम तेजी से चल रहा है। इसके तहत स्कूलों के लिए नए पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तकें भी तैयार होनी हैं। हालांकि इससे पहले ही समिति की 'स्कूली पाठ्यपुस्तकों की विषयवस्तु और डिजाइन में सुधार' के संबंध में यह सिफारिश इसलिए भी अहम है, क्योंकि मौजूदा समय में देश में अलग-अलग शिक्षा बोर्डों से संबंद्ध स्कूल है। ऐसे में इन स्कूलों में अभी एक जैसा पाठ्यक्रम नहीं है।

पूरी सतर्कता से काम करने की जरूरत पर जोर

समिति से जुड़े सदस्यों की मानें तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत जब स्कूलों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार ही होना है, तो फिर इन सिफारिशों पर भी विचार किया जा सकता है।

एक किलो हाइड्रोजन से 180 किमी . चलेगी गाड़ी

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में ग्रीन हाइड्रोजन पर चलने वाली गाड़ी आ चुकी है। गडकरी ने कहा कि दिसंबर के अंत तक इसकी डिलीवरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसका प्रयोग पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर किया जाएगा। ये गाड़ी एक किलो में 180 किलोमीटर तक चलेगी। नागपुर में गंदा पानी ट्रीट कर के तीन सौ करोड़ से ज्यादा का फ़ायदा होता है। सरकार सीवर के पानी से ग्रीन हाइड्रोजन बनाने के प्रॉजेक्ट की शुरुआत करने जा रही है। उन्होंने कहा कि अब गंदे पानी का इस्तेमाल सोलर पावर के लिए भी इस्तेमाल किया जाएगा। इसके

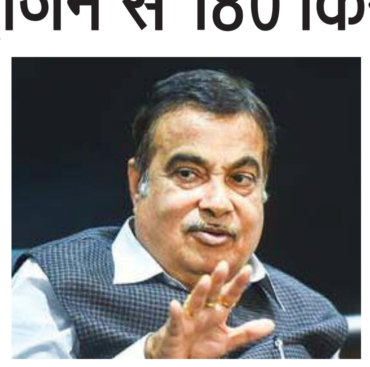

साथ ही हाइड्रोजन की कीमत 50-60 रुपये किलो होगी, सबसे सस्ता ईंधन बनेगा। पानी के साथ सोलर पावर के इस्तेमाल से क्लीन एनर्जी बनाई जाएगी।

गडकरी ने कहा कि हाइड्रोजन का फिलिंग स्टेशन बनाने में फ़िलहाल वक्त लगेगा। हाइड्रोजन की गाड़ी से प्रति किलोमीटर 70-80 पैसे की लागत आएगी। इसके साथ ही पराली से बायो सीएनजी बनेगी, किसान अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता भी बनेगा। नितिन गडकरी ने कहा कि दो साल में पेट्रोल की गाड़ी और इलेक्ट्रिक गाड़ी की क़ीमत बराबर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार दो साल में फ्लैक्स इंजन लाने की तैयारी कर रही है।

इंजन कम चलने से खर्च भी कम

गडकरी ने मोदी सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि मेरठ से दिल्ली आने में साढ़े चार घंटे लगते थे, लेकिन अब लोग कहते हैं कि 40 मिनट लगते हैं। यानी पहले जो इंजन साढ़े चार घंटे चलता था, वो अब 40 मिनट चल रहा है।

राष्ट्रपति की साइन के साथ तीनों कृषि कानून निरस्त

नई दिल्ली। कृषि कानून की वापसी के लिए लाए गए बिल पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को साइन कर दी है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित देशभर के किसान इस कानून का विरोध कर रहे थे, जिसके बाद केंद्र सरकार ने इसे वापस ले लिया था।

वहीं, कृषि कानून वापसी को लेकर किए गए आंदोलन में हुई किसानों की मौत और मुआवजे को लेकर सरकार का जवाब बुधवार को लिखित तौर पर संसद में पेश किया गया। विपक्ष ने सरकार से सवाल पूछा था कि सरकार के पास ऐसा कोई आंकड़ा है, जिसमें प्रभावित परिवारों का जिक्र हो या फिर उनकी मदद के लिए कोई प्रस्ताव हो। इस पर कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने कहा कि कृषि मंत्रालय के पास मौतों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। ऐसे में मुआवजे का सवाल नहीं उठता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिका ने उठाया एक बड़ा कदम

वाशिंगटन। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते खतरे को भांपते हुए अब अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर एक ग्रेटर कोआपरेशन बनाने की अपील की है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए ये कदम उठाया है। अमेरिका के ये कदम उठाने की एक बड़ी वजह उसकी सैना के दम पर सीनाजोरी भी है। अमेरिका का रक्षा मंत्रालय ने इस बाबत एक बयान जारी कर कहा है कि चीन की सेना की आक्रामकता को रोकने और इस पूरे क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए ये बेहद जरूरी है। इसके लिए अमेरिका ने आस्ट्रलिया और प्रशांत क्षेत्र के द्वीपों पर इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने और रोटेशपल बेस पर एयरक्राफ्ट की तैनाती की योजना तैयार की है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि सितंबर में ही इस योजना को तैयार कर लिया गया था।

इसके अलावा रक्षा मंत्री लाएड आस्टिन ने यहां पर रोटेशन बेसा पर अटैकिंग हेलीकाप्टर की स्क्वार्डन तैनात करने, रिपब्लिक आफ कोरिया में आर्टिलरी हैडक्वार्टर को स्थायी बनाने की भी घोषणा इसी वर्ष की गई थी। इसी वर्ष मार्च में ही अमेरिकी रक्षा मंत्री लाएड आस्टिन ने चीन के बढ़ते कदमों की आहट के मद्देनजर इनको मंजूरी दी थी। चीन को रोकने के मकसद से अमेरिका की योजना आस्ट्रेलिया में मिलिट्री बेस को अत्याधुनिक रूप देने की भी है। साथ ही चीन की बढ़ती ताकत का मुकाबला करने के लिए अमेरिका गुआम में सैन्य क्षमता को मजबूत करना चाहता है। बीते कुछ माह से चीन के मुद्दे पर विचार करने के बाद अमेरिकी सरकार और रक्षा मंत्रालय इस नतीजे पर पहुंचा है कि चीन को हर हाल में रोकना बेहद जरूरी है।

ओमिक्रोन पर सख्त दक्षिण कोरिया, राष्ट्रपति ने लोगों से बूस्टर शाट लेने का किया आग्रह

सियोल। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन से पूरी दुनिया में अफरा-तफरी का माहौल है। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन ने शारीरिक दूरी के नियमों में और ढील न देने के आदेश जारी किए है। साथ ही प्रशासन को बूस्टर शाट्स में तेजी लाने को भी कहा है।

लिविंग विद कोविड स्कीम का क्या रहा असर

मून ने कहा कि कोरोना से संक्रमित मरीजों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण अस्पतालों में अभी बेड की कमी है, जिन्हें अगले चार हफ्तों तक बढ़ा दिया जाएगा। बता दें कि राष्ट्रपति ने यह बात कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही है। इससे जाहिर हो रहा है कि सरकार ओमिक्रोन की बढ़ती चिंताओं के बाबजूद सामान्य स्थिति में लौटने की कोशिश कर रही है, जिससे लोगों में डर का माहौल पैदा न हो। नवंबर में सरकार की ओर से लिविंग विद कोविड स्कीम के पहले चरण की शुरुआत की गई थी। इसके बाद दक्षिण कोरिया में कोरोना के मामले काफी तेजी से बढ़ गए। अक्टूबर अंत में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों में ढील देने से पहले दक्षिण कोरिया में एक दिन में 2000 मामले सामने आ रहे थे। और पिछले हफ्ते से यह नंबर बढ़कर 4000 हो गया। आपको बता दें कि दक्षिण कोरिया ने लिविंग विद कोविड स्कीम के चार हफ्ते पूरे होने तक दिसंबर में कोरोना के नियमों को और आसान बनाने की योजना बनाई थी। इसके बावजूद अभी सरकार ने नियमों में और ढील न देने का फैसला किया है, लेकिन सरकार अगले चार हफ्तों में कोरोना की रोकथाम के कुछ नए नियमों को लागू करेगी।

काबुल में 'सुगंधित पाउडर' का निर्यात फिर से शुरू

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सुगंधित पाउडर का निर्यात फिर से शुरू हो गया है। हाल ही में चीन, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों को 500 टन सुगंधित पाउडर का निर्यात किया है। सोमवार को अफगानिस्तान औद्योगिक संघ ने इसकी जानकारी दी।

एरियाना न्यूज ने एसोसिएशन के प्रमुख अब्दुल जब्बार सफी के हवाले से कहा, 'अफगानिस्तान ने हाल ही में पाकिस्तान, तुर्की, भारत, चीन, स्पेन और यूके को सुगंधित पाउडर का निर्यात किया है। निर्यात फिर से शुरू हो गया है और हम अपने निर्यात का विस्तार करना चाहते हैं।' एसोसिएशन ने तालिबान से खनन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए खनिजों के निष्कर्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करने का भी आह्वान किया। अफगानिस्तान पर तालिबान के राज के बाद क्या कुछ हुआ, वह किसी से छुपा नहीं है। और तो और मीडिया पर भी तालिबानियों ने राज कायम कर लिया है। एक एनजीओ के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से, कुल 257 मीडिया आउटलेट 'वित्तीय चुनौतियों और प्रतिबंधों के कारण' बंद किए जा चुके हैं।

भारी बारिश से वाशिंगटन में बाढ़ की स्थिति, गहरा सकता है तूफान का खतरा

बेलिंगहैम। महीने की शुरुआत से भारी बारिश के कारण उत्तर पश्चिमी वाशिंगटन के कुछ हिस्सों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। मुसलाधार बारिश के साथ- साथ तूफान भी अपने चरम पर है। बाढ़ की स्थिति और खराब हो उससे पहले सुमास और एवरसन के छोटे समुदायों के लोगों को शनिवार की रात स्वेच्छा से जगह खाली करने के लिए कहा गया था। आपको बता दें की कनाडा की सीमा के पास के दोनों शहरों में पहले से भीषण बारिश के चलते बाढ़ देखी गई थी, जिससे व्हाटकॉम काउंटी को लगभग 50 मिलियन अमरीकी डालर का नुकसान हुआ था।

लोगों को किया गया आगाह

फेसबुक पर एक पोस्ट के अनुसार, सुमास में आने वाले दिनों में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति और भी गहरा सकती है, जिसके चलते अधिकारियों ने सोमवार सुबह लगभग 9 बजे बाढ़ के सायरन का इस्तेमाल करते हुए लोगों को आगाह किया गया। क्योंकि बाढ़ का पानी चेरी स्ट्रीट ब्रिज को पार कर चुका है और कभी भी

पूरे शहर में फैल सकता है इसलिए अधिकारियों ने लोगों से जगह-जगह शरण लेने का आग्रह किया था, जबकि सुमास के अधिकारियों ने बताया कि शहर के चारों ओर बहुत पानी था, लेकिन जल स्तर धीरे-धीरे कम होना शुरू हो गया था। अधिकारियों ने फेसबुक पर कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह पूरे दिन होता रहेगा।'

बीते रविवार को रात में, एवरसन के मेयर जॉन पेरी ने फेसबुक पर पोस्ट कर शहर की स्थिति की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया की शहर के माध्यम से एक मुख्य सड़क पर जल स्तर 'धीरे-धीरे घट रहा था' और नुक्सैक नदी का स्तर गिर रहा था। पेरी ने पोस्ट पर लिखा कि 'ऐसा प्रतीत होता है कि हम एवरसन नुक्सैक क्षेत्र के लिए सबसे खराब स्थिति से गुजर रहे हैं,' बता दें की क्षेत्र में और बेलिंगहैम के आसपास की कई स्थानीय सड़कों पर पानी के कारण रास्तों को बंद कर दिया गया था और इस क्षेत्र के कुछ स्कूलों ने छात्रों को सुरक्षा एहतियात के तौर पर कक्षाओं से बाहर रखा था।

लैंडस्लाइड के चलते बेलिंगहैम के दक्षिण में उत्तर की ओर जाने वाले 5 अंतरराष्ट्रीय हिस्से बंद हो गए थे7 अधिकारियों ने कहा कि भूस्खलन का खतरा कई दिनों तक बना रहेगा। बेलिंगहैम शहर के अधिकारियों ने कहा कि बारिश का पानी रविवार को बहुत अधिक हो गया, जिसके परिणामस्वरूप एक ओवरफ्लो हुआ जिससे लगभग 9 मिलियन गैलन सीवेज पानी बेलिंगम खाड़ी में निकल गया।

शहर के एक समाचार विज्ञप्ति में कहा गया है, 'सीवेज ओवरफ्लो की आवश्यकता के परिणामस्वरूप पानी की गुणवत्ता पर प्रभाव कम से कम होने की उम्मीद है।' मेयर ग्रेग हेन्सन ने द बेलिंगहैम हेराल्ड को बताया कि नदी के पास निचले इलाकों में कई घरों में नवीनतम तूफान में बाढ़ देखी गई है, लेकिन उफनती नदी अपने बहाव के नीचे बनी हुई है। फेरंडेल के मेयर ने कहा कि मंगलवार को आने वाले तूफान के कारण शहर का आपातकालीन संचालन केंद्र सप्ताह के अंत तक खुला रहेगा।

मौसम विभाग का अनुमान

मौसम विभाग ने अधिक बारिश का अनुमान लगाया गया था, साथ ही वायुमंडलीय नदियों से नवीनतम जलप्रलय - प्रशांत और उत्तर-पश्चिम में नमी भी फैल सकती है। पूर्वानुमानकर्ताओं का कहना है कि वर्षा का योग पिछले तूफानों की तुलना में कम होना चाहिए, उत्तर पश्चिमी वाशिंगटन में 2 इंच (5 सेंटीमीटर) तक और ओलंपिक और कैस्केड पहाड़ों में 4 इंच (10 सेंटीमीटर) तक की उम्मीद जताई गई है।

कोयला खदान में बड़ा हादसा, मीथेन विस्फोट में घायलों की संख्या बढ़कर 96 हुई

केमेरोवा। साइबेरिया के केमेरोवा क्षेत्र में 25 नवंबर को एक बड़ा हादसा हुआ था। जब लिस्टव्यज़नाया खदान में धुआं उठा और तेजी से एक विस्फोट हुआ, जिसमें 285 लोग जमीन के अंदर फंस गए थे। खदान में हुई दुर्घटना में अब-तक कुल 96 लोग घायल हो गए हैं।

मीथेन विस्फोट से हुआ हादसा

लिस्टव्यज़नाया खदान में मीथेन विस्फोट के बाद एक बड़ी घटना घटी, जिसमें कई लोग घायल हो गए। तेज आग के साथ हुए धमाके में लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिला और चारों ओर धुआं ही धुआं फैल गया। आपको बता दें कि अचानक से हुए विस्फोट से 285 लोग जमीन में फस गए थे, जिनमें 43 खदान बचाव दल भी शामिल थे।

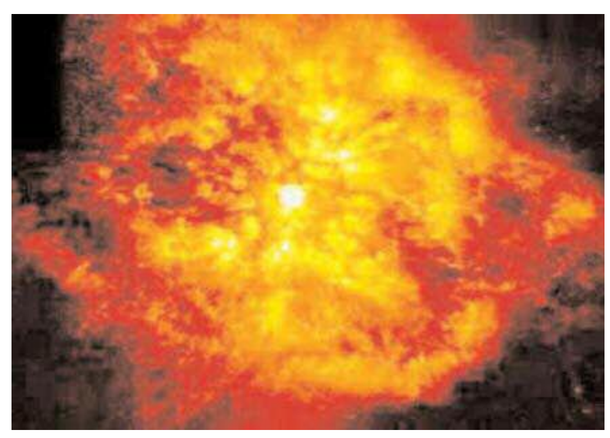

विस्फोट के बाद बाकी बचाव दल पीछे चले गए थे, लेकिन विस्फोट के खतरे को देखते हुए बचाव कर्मियों को वापिस बुलाया गया, ताकि फसे हुए लगों को बहार निकला जा सके।

तीन दिनों का शोक

रुस में यह पांच सालों में सबसे बड़ी दुर्घटना मानी जा रही है। देश की समाचार एजेंसी के ञ्रस्स् अनुसार, शुरुआती जाचं में पाया गया कि कोयला खदान में हुए विस्फोट के बाद किसी भी जीवित व्यक्ति को बचाने का मौका नहीं मिला, कई शव जमीन के अंदर हैं, जिन्हें बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। आपको बता दें लोग इस खदान में 250 मीटर की गहराई पर काम कर रहे थे। स्थानीय प्रशासन ने बताया था कि 38 लोगों को घटना के तुरंत बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से चार लोग बेहद गंभीर स्थिति में थे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मृतकों के परिवार के प्रति गहरी संवेदना जताई है, जबकि केमेरोवा क्षेत्र 26- 28 नवंबर तक तीन दिनों के लिए शोक की डूबा रहा।

पाकिस्तान में नहीं थम रहा डेंगू का प्रकोप, पिछले 24 घंटे में 74 नए मामलों के साथ दो लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना के साथ-साथ डेंगू का भी खतरा बरकरार है। अब यहां पर पिछले 24 घंटे में डेंगू के 74 नए मामलों के साथ दो लोगों की मौत दर्ज हुई है। ये मामले पूर्वी पंजाब प्रांत में दर्ज हुए हैं।एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी है। पंजाब के प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य विभाग के सचिव इमरान सिकंदर

बलूच ने मीडिया को बताया कि दोनों मौतें प्रांतीय राजधानी लाहौर में डेंगू से हुई है। अधिकारी के अनुसार, इस साल की शुरुआत से अब तक प्रांत में डेंगू से 143 मौतें और 25,013 मामले दर्ज हुए हैं

बता दें कि लाहौर, जो प्रांत में डेंगू का हॉटस्पॉट है। अब यहां पर 74 में से 60 मामलों की पुष्टि हुई है जिससे इसकी संख्या 17,848 हो गई। पिछले कुछ दिनों में दैनिक नए मामलों में कमी देखी गई है, जिसके दौरान प्रांत में 500 से अधिक की तुलना में नए मामलों की संख्या 200 से कम हो गई है। हालांकि, प्रांतीय स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार निवारक और उपचारात्मक गतिविधियों और तापमान में गिरावट ने बीमारी के नए मामलों में कमी लाने में योगदान दिया है।

बारबाडोस बना गणतंत्र देश, क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय का शासन खत्म; नए राष्ट्रपति की हुई नियुक्ति

ब्रिजटाउनी। कैरिबियाई द्वीपों island के प्रमुख देश बारबाडोस में अब क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय का शासन खत्म हो गया है। यह देश अब पूरी तरह से गणतंत्र हो गया है। इस तरह बारबाडोस ब्रिटेन से अलग होकर 55वां गणतंत्र देश बन गया है। क्वीन एलीजाबेथ द्वितीय अब यहां की सर्वेसर्वा नहीं होंगी। एक समारोह के दौरान क्वीन का प्रतिनिधित्व करने वाले रायल स्टैंडर्ड ध्वज को उतारा गया। इस समारोह में प्रिंस चार्ल्स भी मौजूद थे। गवर्नर जनरल सैंड्रा मेसन देश की राष्ट्रपति बनाई गई हैं। उनकी नियुक्ति क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा की गई है। मेसन ने बारबाडोस की पहली राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। बता दें कि मेसन अटार्नी और जज भी रह चुकी हैं और उन्होंने वेनेजुएला, कोलंबिया, चिली और ब्राजील के राजदूत के तौर पर भी काम किया है। बारबाडोस की आबादी तीन लाख से ऊपर है और यह कैरिबियाई देशों में सबसे अमीर देश माना जाता है। यहां की अर्थव्यवस्था ज्यादातर पर्यटन पर निर्भर करती है। सैकड़ों सालों की आजादी के बाद बारबाडोस 1966 में आजाद हो गया था लेकिन यहां क्वीन एलीजाबेथ का शासन चलता था। 1970 के बाद किसी कैरिबियाई देश में ऐसा देखने को मिला है। इससे पहले गुयाना, डोमनिका, त्रिनिदाद और टोबैगा गणतंत्र देश बने थे। साल 2005 में बारबाडोस ने त्रिनिदाद स्थित कैरिबियाई कोर्ट आफ जस्टिस में इस बात की अपील की थी और लंदन स्थित प्रिवी काउंसिल को हटा दिया था। इसके बाद

साल 2008 में बारबाडोस ने खुद को गणतंत्र देश बनाने के लिए प्रस्ताव रखा, लेकिन इसे अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया। अब आज 30 नवंबर को बारबाडोस गणतंत्र देश बन गया है। अब उसका अपना राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान होगा।

पाकिस्तान को भी सता रही ओमिक्रोन की चिंता, कहा- इसको आने से रोका नहीं जा सकता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को इस बात की पूरी आशंका है कि उनके यहां पर भी कोरोना वायरस का नया वैरिएंट ओमिक्रोन दस्तक देकर रहेगा। इस बात की आशंका पाकिस्तान प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य मामलों के विशेष सहायक डाक्टर फैसल सुल्तान और योजना मंत्री असद उमर ने जताई है। इनका ये भी मानना है कि इसको देश में आने से रोका नहीं जा सकता है, लिहाजा इसका आना तय है।

इस्लामाबाद में पत्रकारों से हुई वार्ता के दौरान ओमिक्रोन के बारे में किए गए सवालों के जवाब में उन्होंने ये बयान दिया है। इन्होंने ये भी कहा कि कुछ सप्ताह पहले ही ओमिक्रोन के मामले सामने आए थे और अब ये मामले दुनिया के विभिन्न देशों में भी आने शुरू हो गए हैं। इसको अपने देश में आने से रोकना नामुमकिन है।डाक्टर फैसल सुल्तान ने इसके बढ़ते खतरे को देखते हुए देशवासियों से अपील की है कि वो जल्द से जल्द वैक्सीन लगवाएं और पूरी एहतियात रखें। इसके अलावा फिलहाल इसको रोकने का कोई दूसरा उपाय नहीं है। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अब तक वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं मिल सकी है वो तुरंत वैक्सीनेशन करवाएं। केंद्रीय मंत्री असद ने कहा कि ये वैरिएंट दुनिया में तेजी से पांव पसार रहा है। वर्तमान समय में पूरा विश्व एक दूसरे से जुड़ा हुआ है इसलिए इसको रोकपाना असंभव है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन ही इसका एक उपाय है।

इस दौरान इन दोनों ने ही कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में इसके बेहद खतरनाक होने की बात सामने आई है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि वैक्सीनेशन पर इस प्रभावशाली है। इसलिए देशवासियों को वैक्सीन की दोनों खुराक जल्द लेनी चाहिएं, जिससे हम अपना और अपने परिजनों का जीवन सुरक्षित कर सकें। असद ने बताया कि इसको देखते हुए वैक्सीनेशन का दायरा और बढ़ाने के अलावा इसकी रफ्तार में तेजी लाने की बेहद जरूरत है।

उनका यहां तक कहना है कि अगले दो से तीन सप्ताह के अंदर ये वैरिएंट देश में दाखिल हो सकता है। इसलिए बेहद सचेत रहने की जरूरत है।असद का कहना है कि इसको देखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। सिंध में इसके खतरे को देखते हुए सभी लोगों को फाइजर की बूस्टर डोज लगाने का फैसला लिया गया है।

एक हफ्ते में दूसरी बार चुनी गईं स्वीडन की पहली महिला पीएम एंडरसन

स्टाकहोम। मेगडालेना एंडरसन दोबारा से स्वीडन की प्रधानमंत्री बन गई हैं। स्वीडन की पहली महिला प्रधानमंत्री मेगडालेना एंडरसन को पद संभालने के कुछ ही घंटे बाद इस्तीफा देना पड़ा था। अब एक हफ्ते से भी कम समय में उन्हें फिर से पीएम बनाया गया है। दरअसल, संसद में बजट प्रस्ताव पर एंडरसन की सरकार को हार का सामना करना पड़ा और दो दलों की उनकी अल्पसंख्यक सरकार से एक दल अलग हो गया।

केंद्र-वाम सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता मेगडालेना एंडरसन जब चुनावों के बाद देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं तो वह लगभग सात घंटे तक का ही कार्यकाल पूरा कर सकीं। उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर कहा, 'संवैधानिक प्रथा के अनुसार, अगर एक पार्टी सरकार छोड़ती है

तो गठबंधन सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, यह सम्मान की बात है, लेकिन मैं ऐसी सरकार का नेतृत्व नहीं करना चाहती जहां इसकी वैधता पर सवाल उठाने जा सकें।' हालांकि, यह उम्मीद है कि एंडरसन हाल के दशकों में स्वीडन की सबसे कमजोर सरकारों पर शासन करेंगी। इसके अलावा, एंडरसन का बजट तीन विपक्षी दलों द्वारा तैयार किया जाएगा, जिसमें आव्रजन विरोधी स्वीडन डेमोक्रेट भी शामिल हैं। इससे पहले, सोशल डेमोक्रेट्स 2014 के बाद से सत्ता में रहे हैं, जो स्वीडन डेमोक्रेट्स को नीति को प्रभावित करने से रोकने की उनकी इच्छा के अलावा कुछ और एकजुट पार्टियों द्वारा समर्थित हैं।

दूसरी ओर, केंद्र-दक्षिणपंथी विपक्ष बहुमत की सरकार बनाने के लिए पर्याप्त वोट जुटाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इसके अलावा, एंडरसन, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष के रूप में स्टीफन लोफवेन की जगह भी ले सकती हैं।' मेंगडालेन को स्टीफन लोफवेन की जगह प्रधानमंत्री बनाया गया था। दरअसल लोफवेन ने इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। जोफवेन फिलहाल कार्यवाहक प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। एंडरसन इससे पहले वित्त मंत्री थीं।

तालिबान ने अब मीडिया पर भी बैठाया पहरा, सरकार के खिलाफ किसी भी प्रकार की रिपोर्ट के प्रकाशन पर लगाया बैन

काबुल। तालिबान की तरफ से नई मीडिया गाइडलाइन जारी किए जाने के बाद अफगानिस्तान में अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में आ गई है। अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने वाले संगठन ने एलान किया है कि उसके कथित प्रशासन के खिलाफ किसी भी मीडिया हाउस या न्यूज एजेंसी को समाचार प्रकाशित अथवा प्रसारित करने की इजाजत नहीं होगी।

महिलाओं को रिपोर्टिंग का अधिकार नहीं

खामा प्रेस ने अफगानिस्तान पत्रकार सुरक्षा समिति के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बादक्षण प्रांत के स्थानीय अधिकारियों ने मीडिया हाउसों को समीक्षा और प्रमाणन के बाद ही किसी भी समाचार के प्रकाशन अथवा प्रसारण का आदेश दिया है। एजेएससी के अनुसार, सूचना एवं संस्कृति विभाग के प्रांतीय निदेशक मुइजुद्दीन अहमदी ने कहा

कि महिलाओं को सार्वजनिक रूप से रिपोर्टिंग का अधिकार नहीं दिया गया है। महिला मीडिया कर्मी दफ्तर में पुरुषों से अलग काम कर सकती हैं।

257 मीडिया संस्थान बंद

तालिबान के इस आदेश के बाद कुछ पत्रकार देश छोड़ चुके हैं, तो कुछ छुप गए हैं। महिलाओं को तो काम भी छोड़ना पड़ा है। मीडिया की मदद करने वाली संस्था एनएआइ का कहना है कि अफगानिस्तान में अबतक 257 मीडिया संस्थान बंद हो चुके हैं, जिसके कारण 70 फीसद मीडियाकर्मी बेरोजगार हो गए हैं।

50 फीसद निजी शिक्षण संस्थानों पर लटके ताले

निजी शिक्षा केंद्र संघ के हवाले से स्थानीय मीडिया ने बताया है कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से देश के 50 फीसद शिक्षण संस्थान बंद हो चुके हैं। संघ प्रमुख सांझर खालिद का कहना है कि इन संस्थानों के पास पर्याप्त संख्या में छात्र ही उपलब्ध नहीं हैं।

भारत में शिक्षा हासिल करने के लिए भेजे गए थे कुछ तालिबानी

आइएएनएस के अनुसार, कुछ अहम तालिबानियों को छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत भारत में शिक्षा हासिल करने के लिए भेजा गया था। वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के हवाले से खामा प्रेस ने बताया है कि ऐसे ही तालिबानियों में अहमद वली हकमल भी शामिल थे, जो अब अफगानिस्तान के वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता हैं। कंधार यूनिवर्सिटी में लेक्चरर रहे हकमल को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मानवाधिकार की पढ़ाई करने के लिए भेजा गया था। लौटने के बाद हकमल को कंधार में तालिबान के लिए भर्तियां करने और प्रचार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब्दुल गनी सरकार के दौरान तालिबान के खुफिया एजेंट विदेशी पोशाक में विभिन्न विभागों और दफ्तरों में सक्रिय थे। इन्होंने काबुल पर कब्जे में तालिबान का सहयोग किया था।

अमेरिका के सबसे बड़े स्वास्थ्य अधिकारी एंथोनी फासी ने कहा, ओमिक्रोन वैरिएंट से देश में पांचवीं लहर का खतरा

वाशिंगटन। अमेरिका के सबसे बड़े स्वास्थ्य अधिकारी एंथोनी फासी ने नए ओमिक्रोन वैरिएंट के चलते और टीकाकरण में स्थिरिता की वजह से अपने देश में कोरोना महामारी की पांचवीं लहर आने की आशंका जताई है। फासी ने कहा है कि ओमिक्रोन के अधिक संक्रामक होने के संकेत मिले हैं। हालांकि, उन्होंने रविवार को राष्ट्रपति जो बाइडन को यह बताया था कि ओमिक्रोन पर ठोस जानकारी मिलने में कम से कम दो हफ्ते का वक्त लगेगा। साथ ही यह उम्मीद भी जताई थी कि संक्रमण के गंभीर होने से रोकने में मौजूदा वैक्सीन कुछ हद तक सफल हो सकती हैं। एंथनी फासी ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका नए कोविड वैरिएंट को लेकर 'हाई अलर्ट' पर था। कनाडा में नए वैरिएंट के पहले मामलों की पुष्टि के बाद लोगों से टीकाकरण कराने का आग्रह किया है।

ओमिक्रोन से अमेरिका में पांचवीं लहर का खतरा : फासी

वाशिंगटन से मिली आइएएनएस की ही रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सबसे बड़े स्वास्थ्य अधिकारी एंथोनी फासी ने नए ओमिक्रोन वैरिएंट के चलते और टीकाकरण में स्थिरिता की वजह से अपने देश में कोरोना महामारी की पांचवीं लहर आने की आशंका जताई है। फासी ने कहा है कि ओमिक्रोन के अधिक संक्रामक होने के संकेत मिले हैं। हालांकि, उन्होंने रविवार को राष्ट्रपति जो बाइडन को यह बताया था कि ओमिक्रोन पर ठोस जानकारी मिलने में कम से कम दो हफ्ते का वक्त लगेगा। साथ ही यह उम्मीद भी जताई थी कि संक्रमण के गंभीर होने से रोकने में मौजूदा वैक्सीन कुछ हद तक सफल हो सकती हैं।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अढानम घेब्रेयेसस ने कहा कि ओमिक्रोन का सामने आना दर्शाता है कि स्थिति कितनी खतरनाक और अनिश्चय बनी हुई है। इस वैरिएंट ने वैश्विक स्तर पर महामारी को लेकर एक समझौते की आवश्यकता को भी रेखांकित किया है। उन्होंने इस मुद्दे पर बातचीत करने के लिए सदस्य देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक बुलाने की भी बात कही। टेड्रोस ने कहा कि हमारी मौजूदा प्रणाली देशों को संभावित खतरे से दूसरे को अलर्ट करने से हतोत्साहित करती है। नए समझौते इन सभी मुद्दों को शामिल किया जा सकता है।

लेप्रोस्कोपिक लीवर प्रत्यारोपण कर लीवर सिरोसिस से पीड़ित दो मरीजों की जान बचाई गई

अमृतसर की दो महिलाएं इन मरीजों के लिए जीवनदायिनी बनीं और अपने रिश्तेदार को लीवर दान कर उनकी जान बचाई

नई दिल्ली। लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के क्षेत्र में हुई तरक्की का इस्तेमाल करते हुए फोर्टिस हॉस्पिटल गुरुग्राम के डॉक्टरों ने सफल सर्जरी करते हुए अमृतसर के दो मरीजों की जान बचा ली, जो गंभीर रूप से लीवर सिरोसिस से जूझ रहे थे।

दोनों मरीजों के परिवार की महिलाएं अपने प्रियजनों की जान बचाने के लिए आगे आईं और अपना लीवर दान किया। इसके बाद ही दोनों मरीजों की लेप्रोस्कोपिक लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी हो पाई। इस पद्धति में बहुत कम शल्यक्रिया करनी पड़ी और संक्रमण के न्यूनतम जोखिम के कारण मरीज की रिकवरी भी जल्द हो गई।

47 वर्षीय हरशरण सिंह अल्कोहल के व्यसनी थे और 10 दस साल से चल रही उनकी समस्या की डायग्नोसिस लीवर सिरोसिस के रूप में हुई। वहीं, 51 वर्षीय गुरप्रीत सिंह में पिछले पांच साल से नॉन–अल्कोहलिक स्टेटोहेपेटाइटिस (एनएएसएच) संबंधी लीवर सिरोसिस की पहचान हुई थी। स्थानीय डॉक्टरों की सलाह पर शुरू में दोनों दवाइयां लेते रहे लेकिन बीमारी में कोई सुधार नहीं होने के कारण कई बार उन्हें अमृतसर के अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। इस दौरान उन्हें कभी पीलिया, पेट में पानी भरना, सीने और पेट में दर्द तथा मानसिक भ्रम की शिकायत बनी रही। लिहाजा, दोनों मरीजों ने फोर्टिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम के डॉक्टरों से सलाह ली, जो अमृतसर के सर्वहित गैस्ट्रोसिटी की ओपीडी में हर महीने बैठते थे। डॉक्टरों ने दोनों को लीवर ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी।

फोर्टिस हॉस्पिटल, दिल्ली–एनसीआर में एलपीटी एंड एचबीपी सर्जरी के चेयरमैन डॉ. विवेक विज ने कहा, ये मरीज हमारे पास सिरोसिस के स्टेज में लाए गए थे जो स्कारिंग (फाइब्रोसिस) के बाद का चरण माना जाता है और इस स्थिति में लीवर का सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। ऐसे में लीवर ट्रांसप्लांट ही आखिरी विकल्प होता है। इस स्टेज में यह जरूरी होता है कि मरीजों को सही समय पर लीवर ट्रांसप्लांट टीम के पास पहुंचा दिया जाए।

लीवर की खासियत होती है कि यह कुछ समय बाद अपने–आप सामान्य आकार में आ जाता है और कुछ महीनों से एक साल के अंदर सामान्य कामकाज करने लग जाता है। परिवार के जिस सदस्य की उम्र 18 से 50 साल होती है और जिसे कोई बड़ी चिकित्सा समस्या नहीं रहती है, वह लीवर दान कर सकता है। हाल के वर्षों में दानकर्ता की सर्जरी प्रक्रिया बहुत सरल और सुरक्षित हो गई है।

डॉ. विज ने बताया, ऐसे मरीजों के साथ हमें मुख्य समस्या यह होती है कि लीवर ट्रांसप्लांट केंद्र पर उन्हें देरी से पहुंचाया जाता है और उनके लिए उपयुक्त लीवर दानकर्ता को भी तलाशना मुश्किल हो जाता है। लेप्रोस्कोपिक लीवर दानकर्ता की सर्जरी इस क्षेत्र में नवीनतम आविष्कार है और बहुत कम दर्द, शीघ्र रिकवरी तथा बेहतर शारीरिक सौंदर्य बनाए रखने जैसी विशेषताओं के कारण परंपरागत ओपन डोनर सर्जरी के मुकाबले यह बहुत फायदेमंद सर्जरी मानी गई है।

मरीज हरशरण सिंह ने बताया, %दस साल पहले लीवर रोग की पहचान होने के बाद भी मैंने इलाज नियमित नहीं रखा और दवाइयां भी अनियमित कर दी। मुझे अल्कोहल सेवन से पूरी तरह दूर रहने को कहा गया था, लेकिन मैंने इसका पालन नहीं किया। कोविड–19 के लॉकडाउन के दौरान मेरा अल्कोहल सेवन और बढ़ गया जिसका असर मेरे लीवर पर ज्यादा पड़ा। दिसंबर 2020 में मेरा दर्द बढ़ा और लगातार पीलिया की शिकायत रही तो मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब कभी मैं शराब पीता तो मुझे उल्टी के साथ–साथ सीने और पेट में दर्द होने लगता था। जिस बार मुझे अस्पताल में दो महीने भर्ती रखा गया, उस समय मैं होश खो बैठा था, मेरा ऑक्सीजन लेवल कम हो चुका था और मुझे ऑक्सीजन सपोर्ट से आईसीयू में रखा गया। डॉ. विवेक और उनकी टीम ने सर्वहित गैस्ट्रोसिटी में ओपीडी दौरे के दौरान मुझे लीवर ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी। अब मुझे कोई दर्द नहीं है और न ही उल्टी की शिकायत है। मैं सामान्य व्यक्ति की तरह अपना काम करने लगा हूं।

दूसरे मरीज गुरप्रीत सिंह ने कहा, %मैं लीवर दान करने वाली अपनी बहन और सफल सर्जरी करने वाले डॉक्टरों का धन्यवाद देता हूं। मुझे 2016 में ही फैटी लीवर की डायग्नोसिस हो गई थी और उसके बाद से मेरी स्थिति बिगड़ती चली गई जिसके साथ सीने में भारीपन तथा उल्टी की शिकायत भी होने लगी थी। अल्ट्रासाउंड से लीवर सिरोसिस की पुष्टि होने के बाद जरूरी सावधानियों के साथ ही दवाइयों से इस काबू भी पा लिया था। लेकिन एक साल बाद ही मुझे मुंह से आने लगा जबकि एंडोस्कोपी रिपोर्ट में कहीं कुछ नहीं मिला था। गंभीर हाइपोटेंशन (रक्तस्राव के कारण) मुझे अस्पताल ले जाया गया और जब तक सांस लेने में तकलीफ और पेट तथा टांगों में लगातार सूजन की शिकायत रही, मुझे दवाइयां दी जाती रही। आखिरकार मुझे अपनी जान बचाने के लिए एक ही विकल्प लीवर ट्रांसप्लांटेशन कराने का सुझाव दिया गया।

सर्वहित गैस्ट्रोसिटी, अमृतसर में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, हीपेटोलॉजी एंड इंटरवेंशनल एंडोस्कोपी के निदेशक डॉ. गुरबिलास सिंह कहते हैं, %सर्वहित गैस्ट्रोसिटी पिछले तीन साल से इस क्षेत्र के मरीजों को गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी और लीवर संबंधी भी सभी बीमारियों का निदान देने वाला महत्वपूर्ण संस्थान है। हम लीवर रोग से पीड़ित मरीजों का इलाज करते आ रहे हैं और उन्हें लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी जैसी तीसरे चरण की चिकित्सा प्रक्रिया के लिए मार्गदर्शन कर रहे हैं जो पंजाब में सामान्य नहीं है। इन बीमारियों को लेकर कुछ प्रचलित गलत धारणाएं हैं लेकिन इसके विपरीत हमारे डॉक्टरों का दृढ़ विश्वास है कि जीवन की गुणवत्ता और लंबे समय तक इसकी सार्थकता तभी संभव है जब कुछ चुनिंदा मरीजों पर इस तरह की प्रक्रिया सावधानीपूर्वक आजमाई जाए। फोर्टिस गुरुग्राम के डॉक्टरों की टीम सर्वहित का दौरा कर गंभीर मरीजों को सही समय पर इलाज देते हुए इसे आसान बना देती है।

प्रेस क्लब में समारोह

वर्ल्ड जीत–कूने डू डे के मौके पर प्रेस क्लब में समारोह

निराली एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पत्रकार गोपाल राजपूत को किया सम्मानित

सफदरजंग स्थित निवास पर रिपब्लिकन् पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले)खेल प्रकोष्ठ का पद ग्रहण समारोह आयोजित किया

नई दिल्ली। माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले जी के सफदरजंग स्थित निवास पर रिपब्लिकन् पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले)खेल प्रकोष्ठ का पद ग्रहण समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय राज्य मंत्री व आर पी आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय रामदास अठावले जी उपस्थित रहे व समारोह में नए नियुक्त किए पदाधिकारियों को जो भिन्न-भिन्न प्रांतों से आए थे उनको नियुक्ति पत्र माननीय मंत्री जी व खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई दिनेश कुमार खांडा जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप गांधी जी द्वारा दिया गया समारोह में असम के अध्यक्ष भाई जकारिया हॉक भी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे व दिल्ली से कई युवा अधिवक्ता साथियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई दिनेश खांडा जी व भाई प्रवीण सारस्वत की उपस्थिति में खेल प्रकोष्ठ में अपनी आस्था जताई व उनको राष्ट्रीय प्रवक्ता व राष्ट्रीय लीगल सेल चीफ एडवोकेट अरुण बिडलान द्वारा शपथ दिलाकर उनका नियुक्ति पत्र सौंपा गया जिसमें प्रशांत, शिव कुमार एडवोकेट व उनके अन्य साथी मौजूद रहे समारोह में नन्ही कराटे खिलाड़ी योशिता अरुण बिडलान,d.a.1. सैंटनरी स्कूल बराड़ा से आई जिनको माननीय केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया व शुभकामनाएं दी गई ,व माननीय मंत्री जी ने डीएवी स्कूल बराडा की प्रिंसिपल श्रीमती सुनीता कपूर व उनके अन्य स्टाफ को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी व खेलों में बच्चों को बढ़-चढ़कर आगे लाने के लिए हौसला अफजाई की माननीय मंत्री जी ने योगा व जिमनास्टिक खिलाड़ी मुस्कान जो कि खेलो इंडिया में जिसका चुनाव किया गया है उनको भी मुबारकबाद दी व खेलों में जहां भी जरूरत हो वहां खेल प्रकोष्ठ में मंत्री जी ने साथ देने का वायदा भी किया दिल्ली से नन्हें कराटे खिलाड़ी डॉलर गांधी भी उपस्थित रहे, खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रवक्ता व लीगल सेल चीफ अरुण बिडलान एडवोकेट ने बताया कि जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर खेल समारोह की तैयारी की जाएगी जिसमें हर गेम जो गेम ओलंपिक से बाहर है उसको भी उस समारोह में शामिल करके खेल करवाए जाएंगे जिसमें माननीय केंद्रीय मंत्री श्री रामदास अठावले जी व भाई दिनेश खंडा जी मुख्य अतिथि के तौर पर रहेंगे भाई प्रवीण सारस्वत जो कि एक सफल बिजनेसमैन है उन्होंने वादा किया कि खेल प्रकोष्ट को हर तरह से मदद करेंगे , बिडलान ने बताया की जल्द ही एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा जिसमें खिलाड़ियों से जुड़ी समस्याओं का हल निकाला जाएगा और खेल ग्रेडेशन से संबंधित समस्याओं को हल करके खिलाड़ियों को कानूनी पहलू के लिए भी जागरूक किया जाएगा इस समारोह में बॉलीवुड स्टार गोलू भाई रैपर भी मौजूद रहे व उनके साथ सांस्कृतिक क्षेत्र से अन्य साथी समारोह में मौजूद रहे, बिडलान ने बताया कि जल्द ही माननीय मंत्री जी हरियाणा में चंडीगढ़ में जनसभाओं को संबोधित करेंगे जिसमें काफी संख्या में दूसरे राजनीतिक दलों को त्याग कर सैंक्डो लोग मंत्री जी कि उपस्थिति में पार्टी ज्वाइन करेंगे अरुण बिडलान ने बताया कि माननीय मंत्री जी कश्मीर में भी पदाधिकारी नियुक्त कर चुके हैं जिसमें भाई शिफायत हुसैन के नेतृत्व में काफी लोगों ने मंत्री जी से मुलाकात की व आगामी चुनावों के बारे में चर्चा की बिडलान ने बताया कि आर पी आई का का कोई भी सदस्य डरने वाला नहीं है चाहे वह कश्मीर से हो चाहे कन्याकुमारी और जल्द ही मंत्री कश्मीर व कश्मीरियत से प्यार की यात्रा शुरू करेंगे।

शिक्षकों को वेतन क्यों नहीं दे रहा निगम: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली,एजेंसी। डॉक्टरों के बाद अब सात हजार शिक्षकों के ऑनलाइन पढ़ाना बंद कर हड़ताल करने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा शासित उत्तरी निगम पर निशाना साधा है। पार्टी का कहना है कि दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि आखिर वह वेतन क्यों नहीं दे पा रहे हैं। वह भी तब, जब निगम की संपत्तियों को बेच रहे हैं। आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 1.50 लाख बच्चों का भविष्य अधर में है। यह सब दिल्ली सरकार को बदनाम कर पैसा लेने की योजना है, जबकि निगमों का केंद्र सरकार और विभिन्न एजेंसियों के पास कई हजार करोड़ बकाया है, जिसे निगम वसूल नहीं कर रहा है। पार्टी कार्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिवाली के समय उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने डॉक्टर, नर्स, शिक्षक और अन्य कर्मचारी को बोनस तो दूर वेतन तक नहीं दिया। अभी तीन महीने की तनख्वाह बकाया है। पांच महीने का महंगाई भत्ता और एचआरए बकाया है। कोरोना और डेंगू के समय डॉक्टर

हड़ताल पर गए हैं। अब निगम के सात हजार शिक्षकों ने बच्चों की ऑनलाइन क्लास बंद कर दी है। यह बहुत शर्म की बात है।

शिक्षकों ने हड़ताल करने से पहले कई बार भाजपा मुख्यालय और नेताओं को चेतावनी दी, लेकिन कोई हल नहीं निकाला गया। अब शिक्षकों ने भाजपा मुख्यालय का घेराव करने की घोषणा की है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह समझ नहीं आता कि क्या कारण है कि उत्तरी और पूर्वी दिल्ली नगर निगम में बार-बार हड़ताल हो रही है। बड़ी-बड़ी जमीनें कौड़ियों के दाम पर बेची जा रही है, वह पैसा कहा जा रहा है। एक तो लूट की जा रही है और वेतन भी नहीं दिया जा रहा है।

अगले कुछ दिन सुबह कोहरा रहने के आसार

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में अगले कुछ दिन सुबह कोहरा रहेगा। अगर हवा की गति नहीं बढ़ी तो यह आने वाले समय में ओर बढ़ने की संभावना है। बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में मंगलवार 9 डिग्री के मुकाबले हल्की बढ़ोत्तरी देखी गई। ऐसे ही आज न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोत्तरी के साथ यह 13 डिग्री सेल्सियस तक जाने का अनुमान है। वहीं, अधिकतम तापमान 22 डिग्री तक रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक 2 और 6 दिसंबर को हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। वहीं, 3 से 7 दिसंबर के बीच अधिकतम तापमान 23 से 24 डिग्री तक रहेगा और न्यूनतम तापमान 9 से 12 डिग्री के बीच रहेगा। 3,4,5 और 7 दिसंबर को बादल छाए रहेंगे। दिन में कई बार सूरज बादलों में लुकाछिपी करता रहेगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर चार यात्री मिले कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट पर कोरोना संक्रमण के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के चलते जांच को लेकर लागू नए दिशा-निर्देश के पहले दिन चार यात्री कोरोना पॉजिटिव पाए गए। यह चारों यात्री लंदन और एम्सटर्डम से टर्मिनल-3 पर पहुंचे थे। इन्हें आइसोलेट कर इनके सैंपलों को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजा दिया गया है। बुधावार से एयरपोर्ट पर विदेश से आने वाले यात्रियों के लिए कोरोना जांच अनिवार्य कर दी गई है। यहां यात्रियों का आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन टेस्ट किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक यह चारों यात्री आरटी-पीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। इन चारों यात्रियों को लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में क्वारंटाइन किया गया है। दिल्ली हवाईअड्डा प्रशासन के मुताबिक इन चारों यात्रियों का जीनोम सिक्वेंसिंग हो जाने के बाद यह पता चलेगा कि इन मरीजों को ओमिक्रोन वैरिएंट का संक्रमण है या नहीं।

बता दें कि दिल्ली एयरपोर्ट पर दो दिन में पांच कोरोना संक्रमित यात्री मिले चुके है। यहां प्रतिदन करीब 2 हजार से अधिक लोगों की जांच हो रही है।

नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के चलते जोखिम वाले देशों से अंतरराष्ट्रीय आगमन पर 1 दिसंबर आधी रात से नए यात्रा दिशा-निर्देश लागू किए गए है। बुधवार सुबह 9 बजे तक जोखिम वाले देशों से 4 उड़ानों से कुल करीब 1013 यात्री आए। इनमें से 80 फीसदी करीब 792 यात्रियों ने रैपिड पीसीआर जांच करवाई और तकरीबन 221 यात्रियों ने आरटी-पीसीआर जांच करवाई। बता दें कि रैपिड पीसीआर की रिपोर्ट करीब 90 मिनट और आरटीपीसीआर जांच की रिपोर्ट करीब 4 से 6 घंटे में आती है।

दिल्ली में पॉजिटिव आए यात्रियों को लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में रखा जाएगा। जबकि जांच में नेगेटिव आए यात्रियों को 7 दिनों के लिए अनिवार्य रूप से होम क्वारंटाइन में रहना होगा और उन्हें फिर से आरटीपीसीआर जांच से गुजरना होगा। बता दें कि जोखिम समझे जाने वाले देशों की सूची में ब्रिटेन, यूरोप के सभी 44 देश, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, हांगकांग और इज़राइल शामिल है।

पंजाब कांग्रेस की रार: चन्नी, सिद्धू और जाखड़ दिल्ली तलब

चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में विवाद नहीं थम रहा है। नया विवाद पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू के जिला प्रधानों के नाम खुद ही तय करने से जुड़ा है। इससे कुछ वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी को देखकर कांग्रेस हाईकमान ने सीएम चरणजीत चन्नी, पार्टी प्रधान नवजोत सिद्धू और पूर्व पार्टी प्रधान सुनील जाखड़ को दिल्ली तलब कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में पार्टी के विवाद पर कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू की ओर से तैयार की गई जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों की सूची पार्टी हाईकमान के पास अटक गई है। माना जा रहा है कि हाईकमान सिद्धू की तैयार की गई सूची और कार्यकारिणी के मॉडल को लेकर सहमत नहीं है। इस बीच, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भी सिद्धू का नाम लिए बिना

ट्वीट के जरिए एक कटाक्ष किया कि 'आपके बंदर, आपकी सर्कस' मैं इस कहावत पर अमल करता हूं, मैंने न किसी को कोई सुझाव दिया है और न ही दूसरे के 'शो' में हस्तक्षेप किया है। जाखड़ के इस ट्वीट को सिद्धू द्वारा तैयार जिला प्रधानों और कार्यकारिणी के मॉडल से जोड़कर देखा जा रहा है। जाखड़ इससे पहले भी कई बार सिद्धू पर कटाक्ष कर चुके हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार सिद्धू ने जिला प्रधानों की जो सूची तैयार की है, उसमें शामिल किए कई नामों पर हाईकमान को एतराज है। इसके अलावा सिद्धू ने सूची के लिए न तो मुख्यमंत्री की सुनी है और न किसी विधायक या पूर्व प्रधान की सिफारिश को स्वीकार किया है। हाईकमान तक यह शिकायत भी पहुंची है कि सिद्धू ने अपने चहेतों को ही सूची में शामिल किया है। वहीं, कार्यकारिणी का जो मॉडल उन्होंने तैयार करके हाईकमान को भेजा, उसके अनुसार प्रत्येक जिले में एक जिला अध्यक्ष के साथ दो कार्यकारी अध्यक्ष लगाने की सिफारिश की गई है। सिद्धू ने इस मामले में कार्यकारी जिला अध्यक्षों के नाम की सूची भी तैयार करके भेज दी है।

इस तरह पंजाब की 29 जिला कांग्रेस कमेटियों के प्रधान पद के लिए सिद्धू ने 87 नामों की सूची भेज दी है। लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि हाईकमान को सिद्धू का यह मॉडल पसंद नहीं आया है। यही कारण है कि सिद्धू की इस सूची को दो हफ्ते बीतने के बाद भी मंजूरी नहीं मिली है।

राज्यसभा में तीसरे दिन भी हंगामा

नई दिल्ली। राज्यसभा में तीसरे दिन की कार्यवाही भी विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गई। डैम सेफ्टी बिल पेश होने के बावजूद उस पर चर्चा नहीं हो सकी। सदन से निलंबित सदस्यों की बहाली की मांग पर बुधवार को भी विपक्ष अड़ा रहा। जबकि सरकार ने माफी मांग लेने और सदन को सुचारू रूप से चलने देने की सलाह दी। दोपहर बाद तीन बजे तक कई बार बाधित होने के बाद सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। सुबह सदन की बैठक शुरू होने के साथ ही विपक्षी दलों के सदस्यों ने हाथों में प्लेकार्ड दिखाते हुए वेल में आकर शोर शराबा और नारेबाजी शुरू कर दी, जिसे देखते हुए सदन को पहले दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

असंसदीय और अलोकतांत्रिक हरकतें कर रहा विपक्ष

सभापति एम. वेंकैया नायडू विपक्षी दलों को नसीहतें देते रहे, लेकिन हंगामा कर रहे सदस्यों ने उनकी नहीं सुनी। जबकि सभापति ने निलंबित सदस्यों के अमर्यादित आचरण का विस्तार से एक बार फिर जिक्र किया, जिन्होंने मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन में जमकर धमाचौकड़ी की थी। नायडू ने हैरानी जताते हुए कहा कि जिन लोगों को अपने किए पर पछतावा होना चाहिए वे अब भी जिद पर अड़े हुए हैं। यह उचित नहीं है। सदन के वेल में आना, टेबल पर चढ़ना, कागज फेंकना, मंत्री के हाथ से कागज छीनना और चेयर को चुनौती देने जैसी हरकतें असंसदीय और अलोकतांत्रिक हैं। इस पर भी उन्हें कोई पश्चाताप नहीं है, इस पर हम क्या कर सकते हैं।

ओएनजीसी को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

आप के पास पैसा है तो आप कुछ भी करेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) और शालंबर एशिया सर्विसेज लिमिटेड के बीच विवाद की मध्यस्थता कर रहे न्यायधीशों के साथ ओएनजीसी द्वारा फीस को लेकर की जा रही 'सौदेबाजी' पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने ओएनजीसी को अवमानना की चेतावनी भी दी है। सीजेआई एनवी रमण की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा, ओएनजीसी जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, जिनके पास बहुत पैसे हैं वे तुच्छ याचिकाएं दायर कर मध्यस्थ की फीस के भुगतान का मुद्दा उठाते हैं। ओएनजीसी के पास पैसा है इसका मतलब यह है कि वह कुछ भी करें। इस मामले को मध्यस्थों में से एक बॉम्बे हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस एससी धर्माधिकारी द्वारा अदालत को लिखे गए एक पत्र के बाद सूचीबद्ध किया गया था। सीजेआई ने कहा, ओएनजीसी के अहंकार देखिए। उनके पास बहुत पैसा है इसलिए उन्हें लगता है कि वे कुछ भी कर सकते हैं।

आखिर इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है? सीजेआई ने कहा, सेवानिवृत्त जज द्वारा अपने पत्र में उठाई गई चिंताओं को पढ़कर बेहद दुख हुआ है। आप अपने बारे में क्या सोचते हैं? हम अवमानना नोटिस जारी करेंगे, आप न्यायाधीशों का अपमान कर रहे हैं, क्योंकि आपके पास बहुत पैसा है। शीर्ष अदालत ने तब अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल की उपस्थिति की मांग की। थोड़ी देर बाद जब अटॉर्नी जनरल पीठ के सामने पेश हुए तो पीठ ने उन्हें ओएनजीसी से बात करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि इस मुद्दे का समाधान हो।

मुंबई में ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को देश का प्रधानमंत्री बनना है। भले ही वे खुद ये बात खुलकर न कह रहीं हों, लेकिन सियासी हलकों में उनकी ये महत्वाकांक्षा छुपी नहीं, लेकिन अपनी राजनीति सिर्फ पश्चिम बंगाल तक समेट कर वे प्रधानमंत्री नहीं बन सकतीं। उसके लिए पहले उन्हें एक राष्ट्रीय चेहरा बनना होगा और ममता बनर्जी इन दिनों इसी काम में जुटीं हैं। बनर्जी के मुंबई दौरे को भी इसी नजरिए से देखा जा रहा है। मंगलवार की शाम ममता बनर्जी जब मुंबई हवाई अड्डे पर लैंड हुईं, तो सबसे पहले पहुंचीं मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में। गणेशजी विघ्नहर्ता हैं और बनर्जी ने अपने सियासी सफर में आ रहे विघ्नों को हटाने की मांग गणपति बाप्पा से जरूर की होगी। सिद्धिविनायक मंदिर के बाद उनका अगला पड़ाव था, गिरगांव चौपाटी पर बनाया शहीद स्मारक जहां उन्होंने 26 नवंबर 2008 के हमले में शहीद हुए पुलिसकर्मी तुकाराम ओंबले को श्रद्धांजलि दी।

सियासी गलियारों में ममता मंदिर का इन दोनों ही जगहों पर जाना इमेज बिल्डिंग एक्सरसाईज के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा हमेशा से ममता पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाते आई है, जिसका जवाब देने के लिए वे मंदिर चलीं गयीं। भाजपा उनपर राष्ट्रविरोधी होने का आरोप भी लगा चुकी है, जिसका जवाब देने के लिए ममता ने आतंकी हमले में शहीद सिपाही के स्मारक पर जाना चुना। मुंबई पहुंचकर ममता ने जय मराठा, जय बांग्ला का नारा दिया जिसे भी सियासी चश्में से देखा जा रहा है।

ममता बनर्जी मुंबई आकर उद्धव ठाकरे से मिलना चाहतीं थीं, लेकिन बीमारी के कारण उद्धव अस्पताल में भर्ती हैं। इसलिए मुलाकात नहीं हो सकी। उद्धव ठाकरे के बेटे और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री आदित्य ठाकरे, शिवसेना सांसद संजय राउत ने ममता बनर्जी से मुलाकात की। करीब आधे घंटे तक चली इस मुलाकात में सियासी चर्चा भी हुई। बीते दो साल से शिवसेना लगातार ममता बनर्जी के समर्थन में बोलते आई हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्हें सामना में बंगाल की शेरनी कहकर संबोधित किया गया था।

शिवसेना नेताओं के बाद ममता बनर्जी की जिस मुलाकात पर सबकी नजरें जमीं हुई थीं वो थी एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात। बुधवार के दिन बनर्जी ने पवार के घर जाकर उनसे मुलाकात की। ये मुलाकात इसलिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि ममता बनर्जी देश में भाजपा विरोधी पार्टियों का एक फ्रंट तैयार कर रही है। ऐसे में एनसीपी जैसी पार्टी का समर्थन भी जरूरी है। भाजपा विरोधी पार्टियों का फ्रंट शरद पवार भी तैयार करना चाहते हैं, लेकिन ममता बनर्जी और शरद पवार की रणनीति में एक बड़ा फर्क है।

ममता बनर्जी विपक्ष का जो फ्रंट खड़ा करना चाहतीं हैं, उसमें कांग्रेस नहीं है। जबकि साल 2019 में जब महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी की सरकार बनी तब शरद पवार ने कहा कि इसी पैटर्न की गैर भाजपा पार्टियों का गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर भी होना चाहिए। महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ गठबंधन में शिवसेना, एनसीपी के साथ कांग्रेस भी शामिल है। पवार और बनर्जी में मतभेद कांग्रेस का साथ लेने को लेकर है।

उधर ममता बनर्जी के मुंबई आने के बाद कांग्रेस पार्टी की ओर से एक बयान जारी किया गया, जिसमें उसकी चिंता साफ झलक रही है। महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव जाकिर अहमद ने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी लड़ेंगे आरएसएस, भाजपा, मोदी-शाह से। ममता बनर्जी लड़ेगी राहुल गांधी और कांग्रेस से। जाने-अनजाने ममता बनर्जी वही गलती करके आरएसएस, भाजपा की मदद कर रही हैं, जो अतीत में मायावती, मुलायम व अन्य कर चुके हैं। ममता बनर्जी स्वयं का आकलन करने में गलतफहमी का शिकार हो रही हैं। उन्हें वास्तविक राजनीति करने के लिए राजनीति के नौसिखिए प्रशांत किशोर से अपना पिंड छुड़ाना होगा।

यहां कांग्रेस की चिंता लाजिमी नजर आती है। ममता बनर्जी के बंगाल से बाहर पार्टी विस्तार अभियान की सबसे बड़ी भुक्तभोगी कांग्रेस ही है। (हाल ही में तृणमूल कांग्रेस ने मेघालय में कांग्रेस के 12 विधायकों का दलबदल करवा कर अपने साथ ले लिया। गोवा में कांग्रेस के दिग्गज नेता लुझिनो फलैरियो को साथ लेकर ममता बनर्जी ने उन्हें सांसद बना दिया। हरियाणा और उत्तर प्रदेश के भी कुछ कांग्रेसी नेताओं को हाल ही में तृणमूल कांग्रेस में शामिल किया गया है। कुल मिलाकर तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल के बाहर विस्तार में जुटी है और ममता बनर्जी आक्रमक तरीके से इस अभियान की अगुवाई कर रही हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

माफी मांगो पप्पुओं, बोले हिंदुस्तान
संसद का तुम किए हो, शैतानी अपमान
शैतानी अपमान, शरम कब तुमको आए
बार-बार पब्लिक लतियाई समझ न पाए
कह सुरेश तुम उछल-कूद करते ज्यों बंदर
लुच्चों खातिर जगह नहीं संसद के अंदर

किसानों को अब समझौता कर लेना चाहिए !

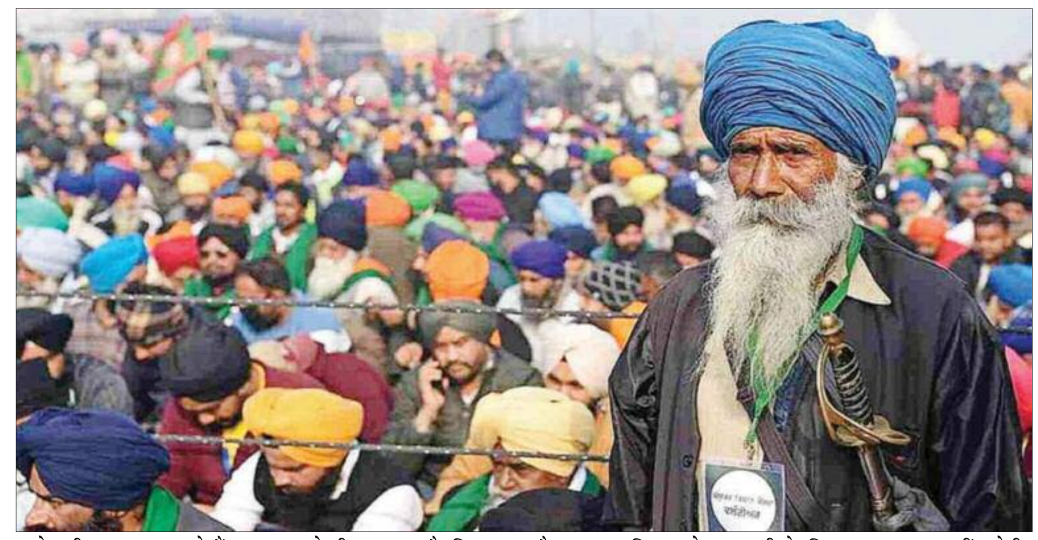

किसान आंदोलन के नेताओं में दिशाभ्रम जैसी स्थिति है। वे अब तय नहीं कर पा रहे कि तीनों कृषि कानून वापस होने के बाद अब वे अपने धरने को समाप्त कर दें या बैठे रहें। उनका एक वर्ग चाहता है कि सरकार ने जब कानून वापस ले लिए हैं, तो अब घर वापस चला जाए। आखिर एक वर्ष से अधिक हो गए धरने पर बैठे हुए। सिंघु बॉर्डर पर बैठे पंजाब और हरियाणा के किसानों को लगता है, कि जिन मांगों की वापसी के लिए वे दिल्ली की सीमा को घेरे थे, वह जब पूरी हो गई तो अब काहे की जिद! लेकिन गाजीपुर सीमा पर बैठे राकेश टिकैत अपनी मांगों की सूची बढ़ाते जा रहे हैं। उनके साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की तराई क्षेत्र के कुछ किसान भी हैं। हालांकि राकेश टिकैत के भाई नरेश टिकैत भी अब उठने के मूड में हैं। एक तरह से टिकैत अब किसानों के बीच अकेले पड़ रहे हैं। उनको लगता है कि राकेश टिकैत की कुछ निजी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं हैं।

> अब टिकैत खेमे के किसानों का अड़ना और पंजाब हरियाणा के किसानों द्वारा धरना समाप्त करने के संकेत से लगता है कि किसानों को कोई भ्रमित कर रहा है। जब कारपोरेट बाजार की शर्त खत्म हो गई तब एमएसपी को भला कौन रोक पाएगा। यह बात किसान समझ रहा है, इसीलिए अब वह आंदोलन समाप्त करने को लालायित है।

पिछले वर्ष 26 नवंबर को किसानों ने कृषि कानूनों की वापसी के लिए आंदोलन शुरू किया था। उस समय उनकी मुख्य मांग तीनों कृषि कानूनों की वापसी थी, जो कि उसके दो महीने पहले कानून के रूप में लाए गए थे। किसानों को लगता था, कि इन कानूनों के अमल में आते ही कृषि कारपोरेट घरानों के पास चली जाएगी। चूंकि मंडी व्यवस्था पंजाब और हरियाणा में ज्यादा असरदार है, इसलिए ये सहकारी मंडियां खत्म होते ही बाजार और उनकी उपज के बीच जो सहकार कि भावना है, वह खत्म हो जाएगी।

और कारपोरेट के लोग अपने बाजार के अनुरूप उनसे काम करवाएंगे। उनका यह भय गलत भी नहीं था, क्योंकि एक बार बाजार घुस गया, तो उपज उसकी मर्जी से हो, यह अनिवार्य हो जाएगा। इसीलिए किसानों ने एक ही शर्त रखी, कि तीनों कृषि कानूनों की संपूर्ण वापसी। इससे कम पर वे राजी नहीं थे। यही कारण रहा कि सरकार और किसान नेताओं के बीच हुई 13 संधि-वार्त्ताओं से कुछ नहीं हुआ। जबकि सरकार इन कानूनों को ढीला करने और एमएसपी के बाबत कोई सख्त नहीं थी।

अब टिकैत खेमे के किसानों का अड़ना और पंजाब हरियाणा के किसानों द्वारा धरना समाप्त करने के संकेत से लगता है कि किसानों को कोई भ्रमित कर रहा है। जब कारपोरेट बाजार की शर्त खत्म हो गई तब एमएसपी को भला कौन रोक पाएगा। यह बात किसान समझ रहा है, इसीलिए अब वह आंदोलन समाप्त करने को लालायित है। यह किसान आंदोलन जितना लंबा चला है, उतना लंबा शायद ही कोई आंदोलन चला हो। यही कारण है कि अभी 19 नवंबर को ग़ुरुनानक जयंती के दिन अचानक प्रधानमंत्री ने इन कानूनों की वापसी की घोषणा कर दी। यही नहीं दस दिनों के भीतर ही संसद के जरिए उन कानूनों को खत्म कर दिया।

यह किसानों की बहुत बड़ी जीत है। किसान इसे समझ भी रहे हैं। पर टिकैत की जो प्रतिक्रिया, उससे यह भी लगता है कि टिकैत इसे लंबा खींचना चाहते हैं। क्योंकि वे मांगें बढ़ाते जा रहे हैं। उनकी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा शायद किसानों के हित से ऊपर है, यह आरोप भी उन पर लग रहे हैं। सरकार को भी लग गया है, कि यह आंदोलन ना समाप्त हुआ तो 2022 में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में इसका बुरा असर पड़ेगा और संभव है, उत्तर प्रदेश में भाजपा इसका शिकार बन जाए। इसीलिए विपक्ष भी राकेश टिकैत के जरिए इसको अभी नहीं समाप्त करवाना चाहता हो।

खैर, यह राजनीति है और राजनीति में सबको अपने-अपने दांव खेलने की छूट होती है। लेकिन राकेश टिकैत को किसानों की अन्य समस्याओं पर भी गौर करना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मेरठ, मुजफ्फरनगर और तराई के जिलों को छोड़ दें तो अन्य जिलों के किसानों की समस्या दीगर है। वहां जोत छोटी हैं, और वहां के किसानों की मुख्य उपज कैश क्रॉप्स नहीं परिवार की जरूरतों के अनुसार फसलों को उपजाना है। उन्हें अपनी फसलों की रखवाली के लिए रात-रात भर जागना पड़ता है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में आवारा गो-वंश झुंड बना कर फसलों पर टूटता है।

किसान जरा भी चूक जाएं, तो उसकी खड़ी फसल स्वाहा हो जाए। उसे समय पर खाद नहीं मिलती। पानी के लिए सरकारी ट्यूब-वेल की सुविधा नहीं मिलती, ऐसे में उसे पानी खरीदना पड़ता है। मालूम हो कि निजी ट्यूब-वेल मालिक तीस रुपया घंटा पानी देते हैं। एक एकड़ गेहूं या सरसों की सिंचाई में पूरे 24 घंटे लग जाते हैं। चूंकि गो-वंश को वह बेच नहीं सकता, इसलिए गाय-बैल पालना भी अब बहुत महंगा सौदा है। ऊपर से उनके लिए चारे की व्यवस्था भी आसान नहीं है।

राकेश टिकैत ने कभी भी उत्तर प्रदेश के इन समस्याओं को अपना मुद्दा नहीं बनाया। वे जिस इलाके से आते हैं, वह गन्ना का क्षेत्र है। गन्ना किसानों की समस्या अलग है। उनके लिए एमएसपी की जरूरत है, लेकिन जब सरकार ने कानून वापसी का इतना बड़ा फैसला कर लिया, तो एमएसपी के लिए वह समस्या नहीं बनेगी। मांग तो होनी चाहिए, गन्ना किसानों के बकाए का फौरन भुगतान या आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए सरकार अभियान चलाए। इन मुद्दों पर राकेश टिकैत कुछ साफ नहीं कर रहे। पंजाब और हरियाणा छोटे राज्य हैं। वहां के किसानों का कृषि दायरा भी बड़ा है। पांच एकड़ किसान का मालिक वहां इतनी फसल कर लेता है कि वह ठाठ से रह सके और अपने बच्चों को शहर में रख कर पढ़ा सके। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश के किसानों के पास औसत कृषि आधा या एक एकड़ है। उसके पास अपने ट्यूब-वेल नहीं है। उपज के लायक उसको कीमत नहीं मिलती। सरकारी खरीद में बहुत रोड़े हैं। इसलिए उसे एमएसपी मिलती ही नहीं। उसे फौरन पैसा चाहिए और सरकारी क्रय केंद्र में पैसा लटका रहता है। उत्तर प्रदेश और बिहार का किसान अपनी उपज लोकल आढ़तियों को बेचता है, और वह भी एमएसपी से बहुत कम कीमत पर। यह फसल वह पंजाब भेज देता है, जहां की मंडियों में यह एमएसपी पर बिकता है। प्रश्न यह उठता है, कि जब किसान को उसकी फसल पर एमएसपी मिलती ही नहीं तो फिर इसका लाभ क्या हुआ? ऐसी समस्याओं को उठाया जाना था, किंतु राकेश टिकैत ने अपनी मांगों को अपने क्षेत्र तक सीमित कर लिया। यही कारण रहा कि राकेश टिकैत को पूरे उत्तर प्रदेश के किसानों का समर्थन नहीं मिला।

जबकि पंजाब-हरियाणा में प्रत्येक ज़िले के किसान इस आंदोलन में थे। अब अगर किसान आंदोलन में फूट पड़ी, तो न सिर्फ़ आंदोलन को नुक़सान होगा बल्कि भविष्य में कोई भी जन आंदोलन ऐसी ही राजनीति का शिकार हो ज़ाया करेगा। इसलिए बेहतर है कि किसान भी अब समझौते का रास्ता अपनाएं। मुख्य मांग मान ली गई अब बाक़ी पर वार्त्ता ही सबके लिए उचित रहेगी।

मायावती को याद आए दलित और पिछड़े

पुरानी कहावत है कि जो शख्स अपनी जड़ों से कट जाता है, वो फिर कहीं का नहीं रहता, फिर भले ही बात जिंदगी की हो या सियासत की। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने भी कुछ ऐसी ही गलती की थी, जिसका नुकसान वे सत्ता से बाहर रहकर पिछले दस साल से भुगत रही हैं। यूपी की सत्ता में आने की तड़प ने उन्हें फिर से अपनी उन्हीं जड़ों की याद दिला दी है, जिस मकसद को पूरा करने के लिए 37 बरस पहले कांशीराम ने बहुजन समाज पार्टी बनाई थी। इस देश के दलितों व पिछड़े वर्ग को सत्ता में हिस्सेदारी दिलाने के मकसद से ही कांशीराम ने साल 1984 में बीएसपी की स्थापना की थी। हालांकि तब पंजाब उनका पहला लक्ष्य था, लेकिन उनकी पार्टी को पहली व बड़ी कामयाबी मिली उत्तरप्रदेश में। लेकिन बाद के सालों में मायावती ने कांशीराम की उस राजनीति को दरकिनार करते हुए ब्राह्मणों व अन्य अगड़ी जातियों को साथ लेकर एक नई तरह की राजनीति शुरू कर दी।

एक बार कामयाबी मिलने के बाद मायावती को लगा कि उनका ये प्रयोग आगे भी सफल होता रहेगा, लेकिन कहते हैं कि सियासत के चूल्हे पर काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। लिहाजा मायावती को अब कांशीराम का वही पुराना फार्मूला याद आया है, जिसकी बदौलत ही वे पहली बार यूपी की सत्ता में आईं थीं। अब उनका पूरा ध्यान दलित व बैक्वर्ड कास्ट की राजनीति करने पर है। दरअसल, मायावती को ये अहसास हो गया है कि इन दोनों का साथ मिले बगैर सत्ता हासिल करना मुश्किल है। इसलिये अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए अब उनका सारा फोकस प्रदेश की 86 सुरक्षित सीटों में से अधिकतम पर जीत दर्ज करने पर है। वैसे भी चुनावी इतिहास पर गौर करें, तो मायावती के अलावा सपा और भाजपा को भी सत्ता दिलाने में इन्हीं सीटों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यानी, जिस भी

दल ने इन 86 में से अधिकतम सीटों पर जीत दर्ज की, उसने यूपी का किला भी फतह कर लिया। साल 2012 में सपा 58 सुरक्षित सीटें जीतकर सत्ता में आई, तो 2017 में भाजपा व उसके सहयोगी दलों ने 70 सीटें जीतकर योगी आदित्यनाथ के सीएम बनने का रास्ता आसान कर दिया था। लिहाजा, इसी सियासी गणित को समझते हुए आज लखनऊ में पार्टी ऑफिस में पिछड़ी जाति के नेताओं की बैठक बुलाई गई। इस मीटिंग में पश्चिमी यूपी के जाट नेताओं को खासतौर से एक नया समीकरण बनाने के मकसद से बुलाया गया था। क्योंकि बीएसपी अब जाटलैंड पर जाटों व मुस्लिमों को साथ जोड़कर सपा के वोट बैंक में सेंध लगाना चाहती है। इसी मजबूत समीकरण को ध्यान में रखते हुए ही पिछले दिनों अखिलेश यादव ने जयंत चौधरी के आरएलडी के साथ चुनावी गठबंधन किया है। हालांकि मायावती की रणनीति ये है कि सुरक्षित सीटों पर दलित, पिछड़ी जातियों और मुस्लिम समाज को जोड़ कर जीत का फार्मूला बन सकता है। हालांकि मायावती ने आज ये भी याद दिलाया कि जब राज्य में बीएसपी की सरकार थी, तो जाटों-मुस्लिमों की तरक्की व जान माल की सुरक्षा का हमेशा ख्याल रखा गया। दोबारा सरकार में आने पर फिर से इस वर्ग के लोगों का विशेष ख्याल रखने की गारंटी देते हुए मायावती ने ये भी साफ किया कि सुरक्षित सीटों के अलावा जनरल सीटों पर भी ओबीसी, जाट -मुस्लिम, दलित और ब्राह्मण फार्मूला कार्य करेगा। वैसे उन्होंने किसी भी अन्य दल के साथ गठबंधन से इंकार करते हुए ऐलान किया है कि बीएसपी अकेले ही चुनाव लड़ेगी। योगी आदित्यनाथ सरकार पर मुसलमानों को तंग करने का आरोप लगाते हुए मायावती ने कहा कि इस सरकार में धार्मिक अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न हो रहा है और आज मुस्लिम सबसे अधिक दुखी नजर आते हैं। उनकी तरक्की रोकी जा रही है, फर्जी मुकदमे लगाकर उत्पीड़न किया जा रहा है और नए कानूनों से दहशत फैलाई जा रही है। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि कांशीराम का फार्मूला लागू करने में मायावती ने क्या बहुत देर नहीं कर दी?

-नरेन्द्र भल्ला

देश को गुमराह करने की कोशिश

विपक्षी दल संसद के पिछले सत्र में राज्यसभा में अशोभनीय आचरण करने के आरोप में निलंबित किए गए 12 सांसदों का जिस तरह बचाव कर रहे हैं, उससे वे अपना ही नुकसान कर रहे हैं। वे एक तरह से संसद की कार्यवाही से किनारा करने और बहस से बचने के लिए बहाने बनाते ही नजर आ रहे हैं। विपक्षी दल निलंबित सांसदों के बचाव में जैसी खोखली दलीलें दे रहे हैं, उससे वे अभद्रता की पैरवी करते भी दिखने लगे हैं। यह एक तथ्य है कि मानसून सत्र में राज्यसभा में सभापति के आसन के सामने की मेजों पर चढ़कर जो हुड़दंग किया गया, वह हर लिहाज से आपत्तिजनक और अशोभनीय था।

संसद की गरिमा को गिराने वाले इस शर्मनाक आचरण के प्रमाण उपलब्ध होने के बाद भी विपक्ष यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि निलंबित किए गए सांसदों की ओर से ऐसा किया जाना उनका अधिकार था। यह चोरी और सीनाजोरी के अलावा और कुछ नहीं। विपक्ष का यह सवाल भी थोथा और देश की जनता को गुमराह करने वाला है कि पिछले सत्र के मामले को लेकर अब कार्रवाई क्यों की जा रही है? वह इस सच को जानबूझकर छिपा रहा है कि जब राज्यसभा अभद्र आचरण का गवाह बनी, तब मानसून सत्र का आखिरी दिन था। क्या विपक्ष यह कहना चाहता है कि हुड़दंग मचाने वाले सांसदों को निलंबित करने के लिए कोई विशेष सत्र बुलाया जाता या फिर उसी को विस्तारित किया जाता? यह तय है कि अगर ऐसा कुछ किया जाता, तो भी विपक्षी दल उसी तरह हंगामा कर रहे होते, जैसे अब कर रहे हैं।

इससे लज्जाजनक और कुछ नहीं कि पहले विपक्षी सदस्य सदन में अशोभनीय हरकत करें और फिर उसे जायज ठहराने की कोशिश करें। यह संसद की गरिमा को गिराने वाला रवैया है। इसका विरोध होना चाहिए। अराजकता कहीं भी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए-वह चाहे संसद के भीतर हो या फिर बाहर। यह अच्छा हुआ कि राज्यसभा सभापति ने निलंबित सांसदों को बहाल करने की विपक्ष की बेजा मांग को खारिज कर दिया। यदि निलंबित सांसद अपने अशोभनीय आचरण के लिए खेद नहीं जताते तो उन्हें बहाल नहीं किया जाना चाहिए, अन्यथा संसद में होने वाला हंगामा हुड़दंग का रूप ले लेगा। विपक्षी दलों की खोखली दलीलों से यह भी साबित हो रहा है कि उनके पास निलंबित सांसदों के खिलाफ की गई विधिसम्मत कार्रवाई का विरोध करने का कोई नैतिक आधार नहीं। वास्तव में इसी कारण वे इस झूठ का सहारा ले रहे कि पिछले सत्र में तो कुछ असामान्य हुआ ही नहीं था। यह संसद ही नहीं, देश की आंखों में भी धूल झोंकने की कोशिश है।

जाति, धर्म, क्षेत्र और कॉर्पोरेट कि राजनीति में कैसे फंसी है विकास कि राजनीति और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा

तरुण कुमार

देश कि राजधानी दिल्ली से लेकर, मुंबई और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में एक हल्की सी बारिश हो जाए तो सड़के नदी में तबदील हो जाती है और दूसरी तरफ विज्ञापन पर सभी राजनीतिक दल करोड़ों रुपये खर्च करते हैं. जो हमे सोचने पर मजबूर करता हैं कि आजादी के 75 साल बाद भी देश कि जनता के लिए सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हो पाई है ऐसा क्यों?

इसका सबसे बड़ा कारण कहीं ना कहीं यही है कि देश मे चुनाव मुद्दे पर नहीं बल्कि जाति और धर्म पर होते है, जिसके कारण ही सड़कों पर जल भराव और गड़े जैसी अनेकों समस्याएं जनता को झेलनी पड़ती है, जनता कि लड़ाई इस विज्ञापन कि राजनीति से है जो जनता के पैसे कि बर्बादी कर रही है. जन प्रतिनिधियों को इस विज्ञापन की राजनीति ने हमारे बीच से गायब कर दिया है. हमें जन प्रतिनिधि चुनने होगी हमारे बीच से और पैसे वाले प्रतिनिधियों को नकारना होगा. उसके लिए देश कि जनता को एक क्रांति लानी होगी और चुनाव को ठीक दिशा देनी होगी ताकि आम जनमानस के लिए जीवन आसान हो सके, और प्रगति को समाज का हर नागरिक महसूस कर सके। देश और प्रदेश कि गूंगी बहरी सरकारों को जगाना होगा। तत्कालीन सभी राजनीतिक दल एक तरह का कॉर्पोरेट घराने बन चुके है जिसकी वज़ह से आम जनता का शोषण हो रहा है। देश के नागरिको को शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरियाँ, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान नहीं कर पाए है ना सिर्फ इतना ही बाल्की है विज्ञापन की राजनीति ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी समझौता किया है। चुनवी परचार और रैली में करोडो रूपे खर्च होते हैं पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जो फंड आवंटन जल्द से जल्द होना चाहिए वो फाइल महिनो और कभी कभी तो सालो तक दभी रहती है। क्योंकि कॉर्पोरेट राजनीतिक दल अपने घर भरने में लगे है आम जनता के पैसे कि लूट से। इसीलिए देश कि जनता को सभी स्थापित राजनीतिक दलों को पीछे छोड़ कर एक नई क्रांति को जन्म देना होगा. जिसमें जनता के प्रतिनिधि उनके बीच से निकले और जनता लोकतन्त्र में अपनी ताकत को समझ कर उन सभी कि राजनीतिक जवाबदेही पर भरपूर जोर दे, तभी देश मे विकास के मुद्दे पर चुनाव हो सकते हैं। देश के हर नागरिक का बुनियाद हक है पढ़ाई, दवाई और कमाई। देश के हर नागरिक को एकजुटता के साथ चुनावी खर्च को लेकर आवाज उठाने के लिए तैयार होना होगा और भारत को एक नई दिशा देनी होगी7 चुनाव में पैसों कि अहम भागीदारी होनी की वजह से देश मे राजनीतिक दल नहीं कॉर्पोरेट दल है और देश के राजनीति से जनप्रतिनिधि गायब हो गए है जनता का शोषण होने के बाद भी मुद्दो पर कोई बात नहीं करना चाहता. देश को राजनीतिक शुद्धीकरण कि जरूरत है और युवाओ को उस दिशा मे आगे बढ़ना होगा. ताकि देश मे जनता सर्वोच्च हो और जनता के मुद्दो को सुना जाए और जाती, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठ कर हम अपने जनप्रतिनिधियों को चुनें7 ताकि आजादी के 100 साल पूरे होने तक हम हमारे नागरिको को सभी सुविधाएं दे सके, और एक नए भारत का निर्माण कर सके। हमे जागना होगा क्योंकि जिस तरह से हमारा पड़ोसी देश चीन आगे बढ़ रहा है आर्थिक और राजनीतिक विस्तारवादी विचारधारा को लेकर, हमें अपने लक्ष्यों को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है। चीन लगा तार भारत को घेरने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। और कोरोना काल के बाद से चीन अपनी विस्तारवादी सोच को तेज से आगे बढ़ा रहा है। चीन की तेजी का अंदाज़ा हम, इस बात से लगा सकते है की चीन ताइवान, जापान, दक्षिण चीन सागर और भारत सभी के साथ एक समय पर ही आक्रामकता दिख रहा है। चीन की आक्रामकता एक कदम और आगे जा चुकी है, अब चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में गांव बसा रहा है जैसे की अरुणाचल प्रदेश, जिसका खुलासा अमेरिका की पेंटागन रिपोर्ट ने भी किया और कुछ समय पहले सैटेलाइट इमेज ने भी इस बारे में जानकारी दी थी7 ।सभी गांव दोहरे उपयोग के लिए बनाए गए है, पहला उपयोग है की स्थानीय खुफिया जानकारी को इकट्ठा करना और दसरा उपयोग है की युद्ध के समय गांव के बुनियादी ढांचे का रक्षा ढांचे के रूप में उपयोग करना है। सभी गांवों को इस तरह से डिजाइन किया गया है, की युद्ध जैसी स्थिति पैदा होने पर गांव के बुनियादी ढांचे से आर्टिलरी गन जैसे सैन्य हथियारों का संचालन किया जा सकता है।चीन पाकिस्तान की मदद से क्ष्हय में स्ह्ष्ट पर स्थिति कुछ गांव जैसे की केल, जुरा और लीपा में भी सर्वे कर रहा है बताया जा रहा है की पाकिस्तान और चीन मिल कर क्ष्हय में भी अरुणाचल प्रदेश की तरज पर गांव बसाने की कोशिश कर रहे हैं। इस समय पर चीन का क्ष्हय में ये सर्वे करने का एक और मुखिया कारण ये है की सर्दियों में पश्चिमी क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्रों में कठोर मौसम की स्थिति के कारण चीन किसी भी तरह की आक्रामकता में शामिल होने में असमर्थ है तो अब चीन पाकिस्तान की मदद से क्ष्हय में गांव बसाना चाहता है। भविष्य में अगर ऐसा हो जाता है तो ये गांव दो उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं। पहला भारत में आतंकी घुसपैठ के लिए और दूसरा चीन आने वाले समय में यहाँ भी अपनी उपस्थिति बनाने की कोषिश कर सकता है7 और इसकी संभावना और अधिक हो जाति जब हम पाकिस्तान को इस दृष्टिकोन से देखते हैं की पाकिस्तान कुछ और नहीं बल्कि एक चीनी उपनिवेश है।और ये सच भी है7 चीन पर हावी होने के लिए अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा उपयोग करने कि जरुरत है7 जिसके लिए हमें अपनी राजनीति को नई दिशा देने की जरूरत है, जो कि जनता और विकास केंद्रित हो। जब देश का हर नागरिक सभी बुनियादी सुविधाएं ले पाएंगे, वे खुद को सशक्त महसूस करेंगे तभी देश तेजी से और मजबूती से आगे बढ़ेगा। इसलिए सही मायने में राष्ट्र हित वहीं है जब देश का हर नागरिक मुद्दों पर अपना वोट डाले और राजनीतिक जवाबदेही को सर्वोपरि समझ कर सभी कॉर्पोरेट राजनीतिक दलों को उखाड़ फेंकने का काम करे।

जय हिन्द

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

वायु सेना के जवान की सड़क दुर्घटना में मौत, पैतृक निवास शव पहुंचने पर मचा कोहराम

मां बाप के इकलौते बेटे की बुधवार को गांव पहुंचा पार्थिव शरीर

मेजा प्रयागराज । मेजा थाना सिरसा चौकी अंतर्गत ग्रामसभा उपरौड़ा लोहारी निवासी की वायु सैनिक की बंगाल में सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की जानकारी सेना के जवान के घर पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। मेजा थाना सिरसा चौकी अंतर्गत लोहारी गांव निवासी कमलेश यादव का इकलौता बेटा वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ दीपू वायु सेना में इलेक्ट्रीशियन के पद पर जालंधर पंजाब में कार्यरत था। परिजनों के अनुसार वीरेंद्र 5 दिन पूर्व जालंधर से बंगाल के कोलकाता एयर बेस पर लड़ाकू विमान में तकनीकी खराबी को ठीक करने गया था। रविवार की शाम वीरेंद्र अपने साथी के साथ बाइक से एयरवेज के बाहर घूमने निकल गए थे। सोमवार को सुबह वायुसेना के अधिकारियों की जानकारी मिली कि दोनों बाइक सवार वायु सैनिकों की सड़क हादसे में मौत हो गई है।जिसकी सूचना मोबाइल से अधिकारियों ने हादसे की जानकारी सैनिक वीरेंद्र के परिजनों को दी।

इकलौती संतान के शहीद होने की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पिता कमलेश यादव व मां शकुंतला देवी का बेटे की मौत से हाल बेहाल है वहीं वीरेंद्र की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है। परिजनों ने बताया कि वीरेंद्र का शव राजधानी एक्सप्रेस से लाया गया। मृतक जवान के पार्थिव शरीर को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गई। शहीद जवान का सिरसा के छतवा गंगा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के लोहारी गांव की कौशलेंद्र प्रताप सिंह यादव पुलिस विभाग में हैं उनका इकलौता बेटा वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ दीपू यादव उम्र 27 वर्ष वायु सेना के जवान थे। जिनकी पोस्टिंग कोलकाता में थी सोमवार को दीपू दोस्त के साथ बाइक से घूमने निकले थे जिनकी सड़क दुर्घटना में मौत हो गई ।परिजनों को जानकारी हुई तो परिजनों में कोहराम मच गया दीपू दो बहनों में इकलौते थे एक बहन की शादी हो चुकी है एक बहन घर पर है। वहीं बुधवार को दीपू का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो हर किसी की आंखें नम हो गई। जब जवान का पार्थिव शरीर घर से अंतिम संस्कार के लिए निकाला गया तो सभी नौजवान साथी मेजा की धरती अमर रहे, लोहारी की धरती अंमर रहे, वीरेंद्र प्रताप भैया जिंदाबाद का नारा लगाते हुए सिरसा के छतवा गंगा घाट पर ले जाया गया और अंतिम संस्कार किया गया। मां-बाप और बहनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिवार को देखकर वहां मौजूद सबकी आंखें नम हो गई।

कब्रिस्तान की पैमाइश व निशान देही कराने के लिए सोंपा ज्ञापन

स्योहारा। नगर के वार्ड 16 में ठाकुद्वारा मार्ग के ऊतर दिशा में स्थित कब्रिस्तान जिसकी गाटा संख्या 1245 है की पैमाइश व निशानदेही कर कब्रिस्तान की सरकारी योजना में चार दिवारी कराने के लिए आज तमाम वार्डवासियों ने एकजुट होकर एक ज्ञापन चेयरमैन के नाम बड़े बाबू देवेंद्र सिंह को सोंपा ।

इसके अलावा सरकारी भूमि खसरा नम्बर 1198 ,1242,व 1255 पर से भी अवैध कब्जा हटाने की मांग की।

ज्ञापन देते हुए लोग

इस मौके पर फ़िरोज़,शाहनवाज,तौसीफ,वसीम, कलीम,खलील,शाकिर,शकील,रजीउद्दीन, शुजाउद्दीन आदि लोग मौजूद रहे।

यूपी टीईटी पेपर लीक केस में योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई

निलंबन के बाद पीएनपी सचिव संजय उपाध्याय गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ लखनऊ

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) 2021 का प्रश्नपत्र लीक मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े निर्देशों के बाद एसटीएफ ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली की चहेती कंपनी को नियमों को दरकिनार कर प्रश्नपत्र छापने का काम देने के दोषी पाए गए परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) के निलंबित सचिव संजय उपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रश्नपत्र छापने का ठेका लेने वाली कंपनी आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड के निदेशक राय अनूप प्रसाद से

पूछताछ में संजय उपाध्याय की संलिप्तता सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। शासन ने संजय उपाध्याय को मंगलवार को निलंबित किया था। एसटीएफ की नजर अब कई और आरोपितों पर टिकी है। पेपर लीक करने वालों से लेकर साल्वर गिरोह के कई सदस्यों की तलाश चल रही है। जल्द कई और आरोपितों की गिरफ्तारी हो सकती है।

चेयरमैन मनोज गर्ग ने किया अटल बिहारी बाजपेयी चौराहा सौंदर्यीकरण का शिलान्यास

बुलंदशहर

अटल बिहारी बाजपेयी चौराहा (बूरा बाजार) के सौंदर्यीकरण का नगर पालिका चेयरमेन मनोज गर्ग ने विधि विधान सेपूजा अर्चना नारियल फोडकर शिलान्यास किया। कालाआम से अनूपशहर रोड स्थित अटल बिहारी बाजपेयी चैराहा (बूरा बाजार) के सौंदर्यीकरण का बुधवार को नगरपालिका अध्यक्ष मनोज कुमार गर्ग ने पूजा अर्चना के साथ नारियल फोड कर शिलान्यास किया। श्री गर्ग ने बताया कि चैराहा का सौंदर्यीकरण कार्यकरीब 15 लाख रूपए की लागात से किया जायेगा। चेयरमेन ने कहा कि मोदी योगी के नेतृत्व मे भाजपा सरकार चहुओर विकास करा रही है। शहर से गंदगी दूर करा नगर पालिका द्वारा विभिन्न चौराहो,पार्को का सौदर्यीकरण कराया जा रहा है। इस मौके पर पालिका के अधिशासी अधिकारी मनोज रस्तौगी , सुशील कंसल ,सभासद योगेश गुप्ता , अजय कुमार , राजेश शर्मा , किशोर लोधी , सुखदेव शर्मा , विकास शर्मा , पप्पन खान , वहीद अल्वी , योगेंद्र चैधरी , संजय कटियार, एई राजेन्द्र सिंह , संजय गोयल आदि उपस्थित रहे।

अलग अलग घटनाओं गयी दो की जान,एक हुआ घायल

संजय शर्मा

स्योहारा।हर दिन हो रहे सड़क हादसों के तहत आज सुबह ठाकुद्वारा मार्ग हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की जान चली गयी तो उसका एक साथी गम्भीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार राजीव पुत्र धर्मपाल सिंह(35) अपने साथी बलराम पुत्र प्रेम सिंह(25) निवासी डिलारी ज़िला मुरादाबाद अपनी रिश्तेदारी में ग्राम सदाफल आये हुए थे आज सुबह जब वो वापस लौट रहे थे तो ठाकुद्वारा मार्च पर ग्राम टांडा के निकट एक बेकाबू ट्रक ने उन्हें रौंद दिया जिसमें राजीव की मौत हो गयी तो वहीं बलराम गम्भीर घायल हो गया,पुलिस ने शव को पीएम को भेजकर ट्रक को काबू में कर लिया है।

वहीं मंगलवार की देर शाम

ट्रैक्टर ट्राली के तालाब में पलट जाने से उसके नीचे दबकर एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने लाश

को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मामला स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव मकसूदपुर का है जहां ग्राम आसरा खेड़ा निवासी लगभग 50 वर्षीय राजवीर ट्रैक्टर ट्राली लेकर मकसूदपुर से अपने गांव आगरा खेड़ा जा रहा था कि तभी रास्ते में तालाब में ट्रैक्टर ट्राली पलट गई जिसके नीचे दब जाने से राजवीर सिंह पुत्र लाखन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय पुलिस द्वारा घायल राजवीर सिंह को सीएचसी स्योहारा मे भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान राजवीर सिंह की मृत्यु हो गयी। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

गैंगस्टर में वांछित 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

बुलंदशहर। गैंगस्टर मेंफरार चल रहे 25 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने दिल्ली के भजनपुरा पीर बाबा मजार के पास से गिरफ्तार कर जेल भेजा है। एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि थाना अनूपशहर तैनात एसएसआईसन्दीप कुमार उपनिरीक्षक महावीर प्रसाद गौतम केसाथ वांछित एवं इनामी बदमाशो की धरपकड को चैकिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्हे मुखबिर से गैंगस्टर में वांछित 25 हजार रूपयेके इनामी अपराधी शाहनवाज के दिल्ली में छिपकर रहने की सूचना मिली। सूचना कोगंभीरता से लेते हुए एसएसआई टीम के साथ दिल्ली पहुचे और भजनपुरा पीरबाबा की मजार के पास से दिल्ली के जिला पुर्वोत्तर के थाना गोकुलपुरी क्षेत्र के मुस्तफाबाद निवासी शाहनवाज पुत्र अनीस अहमद को गिरफ्तार किया है। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शाहनवाज शातिर किस्म का चोर है जिसके द्वारा संगठित गैंग बनाकर चोरी आदि घटनाओ को अंजाम देना है।

सांसद ने योजनाओं में हो रही लापरवाही की जांच की मांग की

शून्य काल में सांसद राजेन्द्र अग्रवाल ने रखी मांग

मेरठ

लोकसभा के शून्य काल में सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत योजनाओं में हो रही लापरवाही की जांच कराकर उनके विरुद्ध कार्रवाई की मां की। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान इस मामले पर बोलते हुए सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि 8 जनवरी 2021 को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय समिति की बैठक लखनऊ में संपन्न हुई। इस बैठक में उपलब्ध कराये गए विवरण के अनुसार प्रधानमन्त्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत निर्मित परियोजनाओं में से 28 परियोजनाएं ऐसी हैं जो पूर्ण तो हो गयी हैं किन्तु अभी तक हस्तांतरित नहीं हो पाई हैं। इन योजनाओं में 14 इंटर कॉलेज, 01 आई.टी.आई., 04

पॉलिटेक्निक, 02 प्राइमरी स्कूल, 01 हाई स्कूल, 05 पाइप वाटर सप्लाई परियोजनाएं हैं। इसके अतिरिक्त 32 परियोजनाएं हस्तगत हो गयीं किन्तु सम्बंधित प्रशासनिक विभागों द्वारा इन्हें क्रियाशील नहीं किया गया। इनमे 20 इंटर कॉलेज, 02 आई.टी.आई., 01 पॉलिटेक्निक, 01 आयुर्वेदिक हॉस्पिटल तथा 08 हाईस्कूल में उच्चीकृत जूनियर हाई स्कूल हैं। उक्त परियोजनाएं प्रशासनिक स्तर पर घोर लापरवाही व् सरकारी धन के अपव्यय के प्रति संवेदनहीनता दर्शाती हैं।

सड़क पर बिखरी वैक्सीन मालागढ़ क्षेत्र की निकली

बुलंदशहर

पुलिस लाइन स्थित मौहल्ला कोठियात कालोनी में सडक पर बिखरी मिली वैक्सीन मालागढ़ क्षेत्र को आपूर्ति की गई थी। रविवार को केंद्र से कोल्ड चेन लाते समय बाइक से बॉक्स की बेल्ट टूटकर गिरना बताया जा रहा है। 11 वायलों में वैक्सीन भरी हुई थी और शेष खाली बताई जा रही है। हालांकि विभागीय स्तर पर अभी जांच चल रही है। कोरोना से बचाव को चल रहे टीकाकरण के दौरान गत 28 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियो की बड़ी लापरवाही सामने आयी थी। पहले जहां वैक्सीन को कड़ी सुरक्षा के बीच ले जाया जाता था वहीं, अब सुरक्षा को लेकर कोई व्यवस्था नहीं है। गत 28 नवंबर कोमालागढ़ क्षेत्र में टीकाकरण के लिए कोल्ड स्टोर से 20 वायल भेजी गई थी। इसमें नौ वायल का प्रयोग टीकाकरण में हो गया तो शेष 11 वायल खाली रह गई। खाली और भरी वायल को एक स्वास्थ्य कर्मी बाईक द्वारा कोल्ड चेन पर लेकर जा रहा था जो कोल्ड चेन से चंद कदम की दूरी पर बाइक से बॉक्स गिरने से सभी वायल सडक पर फैल गई। वायल से भरा बॉक्स बाइक से गिरने का कर्मचारी कोआभास भी नही हो सका और सडक पर पड़ी वैक्सीन वायल से वाहन गुजरते रहे। जिसकी किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इस मामले का समाचार प्रमुखता से प्रकाशित होने पर विभागीय अधिकारियो मे हडकंप मच गया आनन फानन मे जांच बिठायी गयी। बताया जा रहा है कि स्पीड ब्रेकर पर वैक्सीन से भरा बैग बेल्ट टूटने से गिर गया था। सीएमओ डॉ. विनय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच अभी चल रही है। सभी वायल सुरक्षित हैकेवल एक क्षतिग्रस्त मिली हैजोकि खाली वायल थी। भरी हुई सभी वायल सुरक्षित कोल्ड चेन में रखवा दी गई है।

संक्रमित महिला के शिशु को स्तनपान कराने से भी हो सकता है एड्सः जिला क्षय रोग अधिकारी

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

अलीगढ़

विश्व एड्स दिवस पर जिला अस्पताल में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष में एक संगोष्ठी हुई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि महेंद्र कुमार सचिव जिला विधिक प्राधिकरण ने बताया कि संविधान द्वारा जितना अधिकार एक सामान्य व्यक्ति का होता है, उतना ही अधिकार किसी भी बीमारी से ग्रसित अथवा किसी भी दिव्यांग का होता है। कोई व्यक्ति व्यक्ति अथवा एड्स पीड़ित व्यक्ति पहचान छिपाकर जिला विधिक प्राधिकरण में अपने अधिकारों की लिए संपर्क कर सकता है जिसे पूर्ण निशुल्क रूप से कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद उपाध्याय ने बताया कि एड्स छूने और साथ खाने से नही फैलता, बल्कि असुरक्षित यौन संबंध, खुले घावों के संपर्क में आने से, संक्रमित महिला के शिशु को स्तनपान कराने

से भी यह हो सकता है। एड्स का बचाव ही इलाज है। इसके साथ ही गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिला की एचआइवी जांच से भी कहीं हद तक होने वाले बच्चे में संक्रमण रोक जा सकता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ अनुपम भाष्कर ने बताया जिले में एचआईवी मरीजों की संख्या बताते हुए कहा कि समाज मे बढ़ती हुई एड्स रोगियों की सामाजिक हालात सुधारने पे जोर दिया क्योंकि उस मरीज को भी सामाजिक जीवन जीने का हक़ है। इसके अलावा कोरोना से बचने के लिए कैसे भी लक्षण होने पर निकटतम सरकारी अस्पताल में कोविड टेस्ट जरूर करवाएं और सामाजिक दूरी के अलावा मास्क का भी इस्तेमाल जरूर करें। टीकाराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिए एड्स के प्रति भेदभाव के विषय में उपस्थित सभी लोगों को जानकारी दी । जिसमे महेंद्र कुमार सचिव प्राधिकरण एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर अनुपम भास्कर द्वारा प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया । टीकाराम कन्या महाविद्यालय से राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर नीता वार्ष्णेय एवं डॉ प्रियंका दिक्षित ने बताया कि टीकाराम कन्या महाविद्यालय में सिफ़सा की तरफ से एड्स के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम के लिए समय-समय पर कैंप लगाया जा रहा है जिससे कि समाज में फैली इस महामारी को समाप्त किया जा सके और छात्राएं को एडस के बारे में पूरी जानकारी दी। जिला कार्यक्रम समन्वयक सतेंद्र कुमार ने बताया कि एड्स को सिर्फ जानकारी व जागरूकता के माध्यम से रोका जा सकता है। जिला चिकित्सालय में स्थापित आई सी टी सी/पीपीटीसी में निःशुल्क परामर्श व जांच एवं एआरटी सेंटर में मुफ्त उपचार की सुविधा उपलब्ध है । जहां विहान सपोर्ट एंड केअर सेन्टर से राजीव ने बताया कि सभी मरीजो को एचआईवी की जांच और एचआईवी के सभी मरीजों को टीबी की जांच करना अनिवार्य है । एचआईवी/एड्स से पीड़ित व्यक्ति में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है ।

30 लाख से बनने वाली तीन सड़कों का महापौर ने किया शिलान्यास

मथुरा

विधान सभा चुनाव की आचार सहिंता लगने से पहले मथुरा-वृंदावन नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में विकास कार्य तेज कर दिए गए हैं । प्रतिदिन महापौर डॉ मुकेश आर्य बंधु निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। बुधवार को भी महापौर डॉ मुकेश आर्य बंधु द्वारा नगर के वार्ड नंबर 48 में लगभग 30 लाख रूपए की लागत से 3 सड़कों का विधिवत नारियल फोड़कर शिलान्यास किया गया।ये सड़क अशोक खोया वालों से प्रेम घड़ी वालों की दुकान तक होली गली से होते हुए गोपाल पुर में

भगवान शर्मा के घर तक बनाई जाएगी।

महापौर ने कहा नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए तत्पर है एवं भविष्य में क्षेत्र में विकास की गंगा बहेगी।

इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि रामकिशन चतुर्वेदी पार्षद रामदास चतुर्वेदी पार्षद मदन मोहन श्रीवास्तव पार्षद चंदा मामा सचिन अग्रवाल सुनील चतुर्वेदी श्याम शर्मा हरिओम बघेल संतोष बाल्मीकि पवन कुमार विजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

आभा फाउंडेशन ने जरूरतमंद को रजाईयां वितरित की

स्योहारा

भाजपा के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला संयोजिका एवं आभा फाउण्डेशन की संस्थापिका आभा सिंह ने नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसपुर मंडल के ग्राम जयरामपुर में वासु चौहान के आवास पर रजाईयो का वितरण किया। उन्होंने कहा कि बेटियों के विवाह कराने, मातृशक्ति को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने, बुजुर्गों को निशुल्क चश्मा वितरण, स्वास्थ्य शिविर सहित विभिन्न जन सेवा के कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर लखपति सिंह, नितेंद्र कुमार, डॉ. लव कुमार, उमा देवी, बेबी देवी आदि गणमान्य लोग भारी संख्या में मौजूद रहे।

आत्मदाह की चेतावनी देने वाले देव मुरारी बापू को पुलिस ने लिया हिरासत में

वृंदावन

आत्मदाह की चेतावनी देने वाले श्री कृष्ण जन्मभूमि निर्माण न्यास के अध्यक्ष आचार्य देव मुरारी बापू को पुलिस ने बुधवार को हिरासत में ले लिया। उन्होंने मुकदमा दर्ज होने को लेकर पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था और आज दोपहर आत्महत्या की धमकी दी थी। बताया जाता है कि वृन्दावन निवासी देव मुरारी बापू के खिलाफ तीन अगस्त को पड़ोस की महिला ने घर मे घुसकर अभद्रता करने और दस लाख की चौथ मांगने की तहरीर दी थी।

पुलिस ने जांच के बाद मंगलवार को देव मुरारी बापू समेत तीन नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की थी। इस पर देव मुरारी बापू ने पुलिस पर परेशान करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि छह दिसंबर को वह वृन्दावन से शाही मस्जिद ईदगाह तक पदयात्रा निकालना चाहते हैं इसलिए पुलिस ने

झूठी रिपोर्ट दर्ज की। बुधवार को देव मुरारी ने दोपहर दो बजे अपने उत्पीडन के खिलाफ आत्महत्या करने की धमकी दी थी। पुलिस ने वृन्दावन स्थित घर से देव मुरारी बापू को हिरासत में ले लिया है। एसएसपी डॉ.गौरव ग्रोवर ने बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गयी है। बुधवार को देव मुरारी बापू ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि उनका महिला से कोई वाद-विवाद नहीं है। महिला से कोई रुपया का लेन देन नही है न धमकाया है और ना कभी कोई गाली दी है। वे हिंदुत्व को लेकर काम कर रहे हैं। कुछ लोग उन्हें रोकना चाहते हैं।

फ्रेशर पार्टी में वंश और आयुषी के सिर पर सजा ताज

मेरठ। आईआईएमटी स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज में बुधवार को नवीन शैक्षिक सत्र के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर पार्टी 'आगमन' का आयोजन हुआ। मिस्टर फ्रेशर का ताज वंश बच्चस और मिस फ्रेशर का ताज आयुषी छोकर के सर सजा। मिस्टर पर्सनैलिटी सूरज पालीवाल और मिस पर्सनैलिटी जूवैरा व मिस्टर टैलेंट अमित कुमार

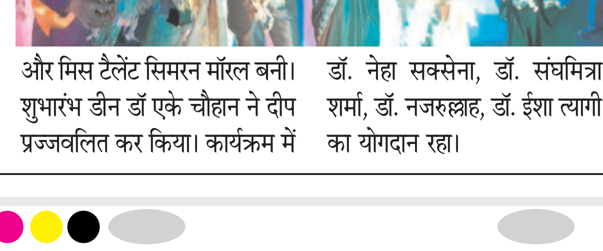

और मिस टैलेंट सिमरन मॉरल बनी। शुभारंभ डीन डॉ एके चौहान ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में डॉ. नेहा सक्सेना, डॉ. संघमित्रा शर्मा, डॉ. नजरुल्लाह, डॉ. ईशा त्यागी का योगदान रहा।

मृत व्यक्तियों को एसडीआरएफ फण्ड से दिये जाएंगे 50 हजार

अलीगढ़। जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी जे. के निर्देश पर सुधीर कुमार प्रभारी अधिकारी दैवीय आपदा ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार कोविड-19 के संक्रमण से मृत व्यक्तियों के परिजनों 50 हजार रूपये प्रति मृतक अनुग्रह सहायता राज्य आपदा मोचक निधि (एसडीआरएफ) से दिये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

दिव्यांग बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

स्योहारा। विकासखंड बुढ़नपुर के गांव गल्ला खेड़ी में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय दिव्यांग बच्चों की खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ब्लाक के सभी दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। ब्लॉक स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय आने वाले बच्चों में प्रथम स्थान दृष्टिबाधित शान मोहम्मद जबकि द्वितीय स्थान पर मोहम्मद जैद रहे और तृतीय स्थान पर भास्कर यादव रहे। तीनों बच्चों को 3 दिसंबर को होने वाले विश्व दिव्यांगता दिवस के कार्यक्रम के लिए चयनित किया गया है।

द मैट्रिक्स रीसरेक्शंस में सती की भूमिका निभाएंगी प्रियंका चोपड़ा

मैट्रिक्स सीरीज के चौथे पार्ट द मैट्रिक्स रीसरेक्शंस के कोरियन पोस्टर के रिलीज होती ही फिल्म में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की भूमिका की चर्चा ने एक बार फिर तूल पकड़ ली है। पोस्टर सामने आने से यह तो स्पष्ट हो गया है कि पिछले कुछ समय से चल रही सुर्खियां सही थीं। मैट्रिक्स के चौथे भाग में प्रियंका सती की भूमिका में नजर आने वाली हैं। 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म में प्रियंका की भूमिका होने के कारण उनके फैंस बेहद खुश हैं। मालूम हो कि मैट्रिक्स फेंचाइजी का पहला हिस्सा द मैट्रिक्स साल 1999 में रिलीज किया गया था। दूसरा पार्ट द मैट्रिक्स रिलोडेड मई 2003 में और तीसरा द मैट्रिक्स रेवोल्यूशन नवंबर 2003 में रिलीज किया गया था। अब फैंस को इस साइंस फिक्शन के चौथे भाग का इंतजार है। आइए जानते हैं मैट्रिक्स 4 से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें। वॉर्नर ब्रोस कोरिया ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा नजर आ रही हैं। पोस्टर पर कोरियन भाषा में फिल्म का नाम और प्रियंका के किरदार का नाम भी लिखा है। फिल्म में राम कंद्र और कमला की बेटी सती का किरदार बिना किसी उद्देश्य के जोड़ा गया था। वह दोनों के प्यार की निशानी है। मैट्रिक्स सीरीज की यह पहली फिल्म है जिसका निर्देशन लाना वाचावोस्की ने अकेले किया है। इससे पहले आए तीनों भागों को लाना ने अपनी बहन लीली वाचावोस्की के साथ मिलकर डायरेक्ट किया था। मैट्रिक्स के चौथे भाग में पुराने कलाकारों के साथ ही कुछ नए चेहरे भी नजर आने वाले हैं। इसमें कियानू रीव्स, कैरी–ऐन मॉस और जाडा पिंकेट स्मिथ भी नजर आने वाले हैं। इनके साथ ही याहया अब्दुल मतीन 2, जेसिका हेनविक, नील पैट्रिक हैरिस, जोनाथन ग्रोफ, टोबी ऑनवुमेयर, मैक्स रीमेल्ट, इरेंड्रिया इबारा, प्रियंका चोपड़ा, एंड्रियु काडवेल, ब्रायन जे स्मिथ, एलेन हॉलमैन और क्रिस्टिना रिकी भी फिल्म में दिखेंगे।

यह भी पहली बार होगा कि मैट्रिक्स की किसी फिल्म की स्कोरिंग डॉन डैविस नहीं करेंगे। वॉर्नर ब्रोस के मुताबिक इस बार फिल्म की स्कोरिंग जॉनी क्लिमेक और टॉम टिक्कर करेंगे।द मैट्रिक्स रीसरेक्शंस का वर्ल्ड प्रीमियर 18 दिसंबर को सैन फ्रैंसिस्को में होगा जिसके बाद 22 दिसंबर को इसे दुनिया भर के सिनेमा घरों में रिलीज किया जाएगा।

सोशल मीडिया

लुंगी पहन शॉपिंग करती नजर आईं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। कई तस्वीरों में उनका बोल्ड अवतार भी दिखता है। उर्वशी रौतेला खूबसूरती के साथ ही अपने ग्लैमरस लुक के लिए भी फेमस हैं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होते हैं। अब उन्होंने फैंस के लिए एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह लुंगी पहने हुए दिख रही हैं। अपने नये वीडियो में उर्वशी रौतेला लुंगी पहनकर शॉपिंग कर रही हैं। उनके साथ दो अन्य लड़ियां भी हैं। वीडियो की शुरुआत में ही उर्वशी हाथों में सोफ्ट ड्रिंक लिए छींकती हैं और फिर शॉपिंग करने लग जाती हैं। वीडियो में सबसे खास है कि अभिनेत्री लुंगी में दिख रही हैं, जिसे लेकर उनके फैंस काफी सरप्राइज हैं और जमकर टिप्पणियां कर रहे हैं। उर्वशी ने लुंगी को फोल्ड कर शॉर्ट स्कर्ट का लुक दिया है। उन्होंने कमर पर स्टोन वाली बेल्ट लगाई है। उन्होंने ब्लू कलर की क्रॉप टॉप पहनी हुई है। वीडियो पर अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा है, लुंगी वैकेशन, लुंगी वन साइज फिट्स ऑल। उनके इस लुक को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। फैंस उर्वशी के इस लुक को खूबसूरत बता रहे हैं और दिल वाली इमोजी बनाकर प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, यह क्या हो रहा है भाई? एक ने लिखा, कोरोना हो गया क्या? इस वीडियो को अब तक 2 लाख 23 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं।

बिग बॉस में नजर आने वाले हैं आप सांसद राघव चड्ढा?

आम आदमी पार्टी के सांसद व दिल्ली कैबिनेट के मंत्री राघव चड्ढा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। युवा नेता होने के कारण राघव देशभर के युवाओं के आइकन भी हैं। वहीं अपनी स्मार्टनेस के कारण भी राघव कई लोगों की पसंद हैं। ऐसे में उनकी सोशल मीडिया एक्टिविटी पर युवाओं की नजर टिकी रहती है। बुधवार को उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट से बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ एक तस्वीर शेयर की है जिसे लेकर तरह तरह की बातें हो रही हैं।राघव ने सलमान खान के साथ हुई भेंट की एक कैजुअल सी फोटो ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा, एक मुलाकात सलमान भाई के साथ। फोटो शेयर करने की देर थी कि लोगों के रिएक्शंस सामने आने लगे।कुछ लोगों ने तो राघव और सलमान की तुलना करनी शुरू कर दी। एक यूजर ने राघव को सलमान से ज्यादा कूल और फ्रेश बता दिया। वहीं एक ने लिखा कि हीरो सलमान नहीं आप लग रहे हैं। एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए आम आदमी पार्टी की तरफ से लिख डाला कि अगर पंजाब में हमारी सरकार बनी तो आपको सलमान खान के साथ फ्री में सेल्फी लेने का मौका मिलेगा। वहीं, दोनों को साथ देख एक ने राघव से पूछ डाला कि क्या वो बिग बॉस के घर में जाने की तैयारी कर रहे हैं?बता दें कि इन दिनों सलमान खान अपनी फिल्म अंतिम– द फाइनल ट्रुथ के प्रोमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में सलमान के साथ ही उनके बहनोई आयुष शर्मा भी हैं। वहीं उनके ऑपोजिट में महिमा मकवाना हैं। महिमा इस फिल्म के साथ ही बॉलीवुड डेब्यु कर रही हैं।

अरुणाचल प्रदेश के ब्रैंड ऐंबेसडर बने संजय दत्त

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति, खान–पान और वहां के लोगों की सराहना की है। अभिनेता 'अरुणाचल प्रदेश के 50 साल'महोत्सव के ब्रांड एम्बैस्डर बने हैं। उन्होंने कहा कि वह बाहर के लोगों के सामने अरुणाचल प्रदेश की विशिष्टता को उजागर करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने सोमवार को राज्य के शियोमी जिले के मोचुका में महीने भर चलने वाले उत्सव के लिए मीडिया अभियान की शुरुआत की। अरुणाचल प्रदेश के एक केंद्रशासित राज्य के रूप में अस्तित्व में आने के उपलब्ध में यह समारोह अगले साल 20 जनवरी से 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। फिल्म 'मुन्ना भाई'से एक अलग पहचान बनाने वाले संजय दत्त ने लोगों की तालियों के बीच कहा, ''अपुन को बहुत बहुत खुशी होइला है कि अपुन अरुणाचल प्रदेश का ब्रांड एम्बेसडर बना है मामू। और अपुन ये स्टेट कभी छोड़ के नई जानेवालाज।'' उन्होंने कहा ''बनाया गया.. मत कहिए। मैं आपको बोल रहा हूं कि मुझे यहां बांध के ही रखिऐगा।'' इस दौरान अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और राज्य विधानसभा के अध्यच पसांग दोरजी सोना भी उपस्थित थे। सोना महोत्सव की आयोजन समिति के अध्यक्ष हैं। मंगलवार को सरकार की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि कभी नॉर्थ ईस्टर्न फंटियर एजेंसी (नेफा) कहलाने वाला अरुणाचल प्रदेश केंद्रशासित प्रदेश के रूप में 20 जनवरी 1972 को अस्तित्व में आया।

अर्जुन कपूर ने 'कुत्ते' के लिए बदल डाला अपना हुलिया

अभिनेता अर्जुन कपूर इन दिनों फिल्म कुत्ते के लिए शार्प नए लुक में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म एक डार्क कॉमेडी है। जिसके लिए उन्होंने अपने बालों को ट्रिम कराया है और मूंछों के साथ हल्की दाढ़ी भी रखी है। इस फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान कर रहे हैं, जो उनके निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म है। अर्जुन ने हाल ही में फिल्म के लिए अपने नए लुक की इमेज साझा की, जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक के बारे में अर्जुन कपूर ने कहा, ''मुझे अपने लंबे बालों की कमी महसूस हो रही है। अभिनेता का सफर ऐसा ही होता है कि उसे एक चीज छोड़नी पड़ती है और फिर से शुरुआत करनी पड़ती है। इस सफर में कुत्ते जैसी फिल्म आती है, जिसमें आपको अपने सभी संकोच छोड़ने पड़ते हैं और किरदार निभाने के लिए उसकी गहराई में उतरना पड़ता है।''अर्जुन के मुताबिक, ''मैं अपने डायरेक्टर की स्पष्टवादिता को पसंद करता हूं। उन्होंने साफ बता दिया कि वह मेरा लुक ऐसा चाहते हैं, जो हर आदमी में दिखाई देता हो और जिसे हर आदमी आसानी से रख सके। इस किरदार के लिए ऐसा ही लुक जरूरी था। इसलिए मुझे खुशी है कि यह लुक पूरा हो गया और मेरे डायरेक्टर अब खुश हैं। अब देखना है कि फिल्म आने के बाद उसे कैसी प्रतिक्रिया मिलेगी।''

कैटरीना कैफ, विक्की कौशल की शादी में अड़चन आ रही हैं...

तैयार

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ 9 दिसंबर को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। यह शादी साल की सबसे बड़ी शादियों में से एक मानी जा रही हैं। शादी को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही हैं। मेहमानों की सूची और स्थान जैसे कई विवरण सामने आ चुके हैं। दोनों की शादी को लेकर काफी खास तैयार हो रही हैं। शादी में आने वालों को कुछ खास नियमों का भी पालन करना होगा। कैटरीना कैफ को इंडस्ट्री सलमान खान और रणबीर कपूर का काफी करीबी माना जाता रहा है इस लिए भी विक्की के संग उनकी शादी में आने वाले मेहमानों को लेकर भी काफी चर्चा है। फैंस जानना चाहते है कि आखिर क्या खान और कपूर खानदान से उनकी शादी में कोई आने वाला हैं?

क्या टल सकता है विवाह?

कैटरीना और विक्की ने अपनी शादी के लिए कुछ नियम तय किए हैं-

पिछले कुछ हफ्तों से कैटरीना और विक्की की जयपुर में होने वाली शादी की अफवाहें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। बड़े दिन से कुछ ही दिन पहले, हमने उन सभी नियमों के बारे में जान लिया है जो जोड़े ने अपनी शादी में मेहमानों के लिए निर्धारित किए हैं। नो फोटोग्राफी क्लॉज से लेकर नो लोकेशन शेयरिंग रूल तक, यहां सभी एसओपी देखें।

- शादी में जो मेहमान आ रहे हैं वो बाहर खुलासा नहीं करेंगे कि उन्हें शादी में बुलाया गया है। शादी समारोह में कोई फोटोग्राफी नहीं ली जाएगी, केलव शादी का फोटोग्राफर ही तस्वीर लेगा।
- कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की जाएगी।
- सोशल मीडिया पर शादी की लोकेसन शेयर नहीं की जाएगी।
- जब तक आप कार्यक्रम स्थल से बाहर नहीं निकल जाते तब तक बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं होगा
- सभी तस्वीरें वेडिंग प्लानर्स की मंजूरी के बाद ही प्रकाशित की जाएंगी
- विवाह स्थल पर कोई रील या वीडियो नहीं बनाया जा सकता

विक्की–कैट की शादी के लिए नया कोरोनावायरस वेरिएंट, ओमाइक्रोन एक प्रमुख चिंता का विषय बन गया है। कैटरीना और विक्की के करीबी एक सूत्र ने खुलासा किया कि शादी के योजनाकारों ने जोड़े द्वारा आमंत्रित किए जा रहे मेहमानों की संख्या पर अपनी चिंता व्यक्त की है। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल के करीबी सूत्र ने कहा वे कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं और अब नई चिंता नए संस्करण के आलोक में मेहमानों की सूची को कम करना है। युगल ने अपने सभी सह–कलाकारों, निर्देशकों और निर्माताओं को आमंत्रित करने का फैसला किया है, अब वे सूची को संशोधित कर रहे हैं और चीजों को एक नए दृष्टिकोण के साथ समझ रहे हैं। उनकी शादी की अतिथि सूची में करण जौहर, अली अब्बास जफर, कबीर खान और मिनी माथुर, रोहित शेट्टी, अफवाह युगल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी, वरुण धवन और नताशा दलाल, और बहुत कुछ शामिल हैं। हालांकि, अभी तक न तो विक्की और न ही कैटरीना ने अपनी शादी के बारे में कुछ भी पुष्टि की है।

राजामौली की फिल्म का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बुरी खबर

तीन दिसंबर को नहीं रिलीज होगा ट्रेलर

निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म का इंतजार लोग उसी बेसब्री के साथ कर रहे हैं जैसे बाहुबली के लिए कर रहे थे। बाहुबली सीरीज के बाद लोगों को राजामौली की आरआरआर से भी उसी स्तर की उम्मीद है। फिल्म सात जनवरी 2022 को रिलीज होने वाली है। इसके ट्रेलर को लेकर फैंस इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब उनके लिए एक बुरी खबर है। ट्रेलर की झलक देखने के लिए तीन दिसंबर का इंतजार कर रहे दर्शकों को अब थोड़ी और प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। फिल्म के सोशल मीडिया एकाउंट के जरिए मिली जानकारी के अनुसार अब यह ट्रेलर तीन दिसंबर को नहीं आएगा। आरआरआर मूवी के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर बताया गया कि अपरिहार्य कारणों से फिल्म का ट्रेलर तीन दिसंबर को रिलीज नहीं किया जाएगा। जल्द ही नई तारीख की घोषणा की जाएगी। इस ट्वीट के बाद से फैंस थोड़े निराश हो गए हैं।

काफी छा रहा है बैकलेस ब्लाउज का ट्रेंड

अगर आप भी साड़ी में हॉट और अट्रैक्टिव लुक पाना चाहतीं हैं तो, आप इस तरह का बैकलेस ब्लाउज़ डिजाइन ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के बैकलेस ब्लाउज़ डिजाइन आप किसी भी साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं। जी हाँ बैकलेस ब्लाउज आजकल बहतु ही ट्रेंड हैं जिसे आप भी अपना सकते हैं। आज हम आपको यही बताने जा रहे हैं किस तरह से अपने लिए बैकलेस ब्लाउज सिलवाने जा रही हैं।

पार्टी वियर साड़ी के साथ आप इस तरह का बैकलेस डिजाइन ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के बैकलेस ब्लाउज़ डिजाइन आपको आनलाईन मार्केट में मिल जाएंगे। इस तरह के ब्लाउज आप लहंगा के साथ भी पहन सकती हैं।

ट्रेडीशनल फंक्शन में अपनी खूबसूरती के चार चांद लगाने के लिए आप इस तरह का बैकलेस डिजाइन ब्लाउज़ भी पहन सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज डिजाइन आप टेलर से भी अपनी फिटिंग का सिलवा सकती हैं। स्लिम फिट और हॉट दिखने के लिए आप इस डिजाइन का भी बैकलेस ब्लाउज़ ट्राई कर सकती हैं। इस ब्लाउज को डोरी लगाकर डिजाइन किया गया है, जो पहनने पर फिट होता है। ऐसे ही आप कई तरह के ब्लॉउस सिलवा सकती हैं और अपने आप को अट्रैक्टिव और हॉट लुक दे सकती हैं। आइये देखते हैं ये डिजाइन।

राइट डाइट से आप रहेंगे हेल्दी

अगर आप अपनी डाइट पर ध्यान दें तो कई तरह की बीमारियों से बचे रह सकते हैं या उन्हें कंट्रोल में रख सकते हैं। 'अगर आप अपने ब्लड प्रेशर को संतुलित रखना चाहते हैं तो आपको अपनी डाइट में ओमेगा 3 फैटी एसिड्स से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना होगा।

जो ओमेगा 3 फैट को खाते हैं, उनमे ब्लड प्रेशर की दर जो ओमेगा 3 फैट का सेवन नहीं करते हैं, उनके मुकाबले कम रहती है। ओमेगा 3 फैट न केवल हार्ट की सेहत के लिए अच्छा होता है बल्कि यह आपके मूड को अच्छा रखने में भी मदद करता है। सर्दियों में यह हम सबके लिए बहुत जरूरी है। अलसी, चिया के बीज और अखरोट ओमेगा-3 फैटी एसिड के बहुत समृद्ध स्रोत हैं।

इसी तरह ऐसा भोजन जिसमें फाइबर ज्यादा मात्रा में होता है, उसका सेवन करने से हार्ट की बीमारियों, डायबिटीज और कई तरह के कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ एक बढ़िया विकल्प है। आप अपनी डाइट में साबुत अनाज शामिल करें। बल्कि ब्लड शुगर में परिवर्तन आने से मूड स्विंग, सिर दर्द और थकान का भी कारण बनता है। अपने नाश्ते और दोपहर के भोजन में ज्यादा सब्जियां शामिल करें। यह सबसे ज्यादा लाभकारी डाइट है। ज्यादातर लोगों को अपने नाश्ते में सब्जियों को शामिल करना थोड़ा मुश्किल लगता है। सब्जियों को खाने में शामिल करके आप अपने खाने को ज्यादा स्वादिष्ट और पौष्टिक बना सकते हैं।'

पिंपल्स से पड़े गड्ढों से पाएं छुटकारा

बेसन से भरे मुंहासों के गड्ढे

बेसन के इस्तेमाल से आप ना सिर्फ कील-मुंहासों को ठीक कर सकते हैं। बल्कि इसके इस्तेमाल से पिंपल्स के गड्ढे भी ठीक किया जा सकता है। अगर आप पिंपल्स के गड्ढों से परेशान हैं, तो 1 कटोरी में 1 चम्मच बेसन रखें। इसमें 1 चम्मच चंदन का पाउडर मिक्स करें। अब इसमें थोड़ा सा गुलाबजल मिलाकर इसका पेस्ट तैयार कर लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाने से कील-मुंहसों की परेशानी दूर होगी। साथ ही आपके चेहरे पर मौजूद गड्ढे भी साफ होंगे। आप इस पेस्ट में नींबू का रस भी मिला सकते हैं। इससे आपकी स्किन के दाग-धब्बे दूर होंगे।

बेकिंग सोडा से करें गड्ढे ठीक

पिंपल्स के गड्ढों को आप से भी ठीक कर सकते हैं। बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से पिंपल्स की परेशानी को खत्म किया जा सकता है। क्योंकि यह आपके स्किन के पीएच लेवल को कंट्रोल करता है। साथ ही इससे स्किन पर निखार आती है। इसका इस्तेमाल करने के लिए पानी में 1 चम्मच थोड़ा सा पानी मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने प्रभावित हिस्से पर लगाएं। करीब 5 मिनट के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। ध्यान रहे कि बेकिंग सोडा स्किन पर लगाने के बाद मॉइश्च-राइज जरूर करें।

एलोवेरा और विटामिन ई

एलोवेरा जेल और विटामिन ई का पेस्ट आपकी समस्या को दूर कर सकता है। दिन में दो बार इस मिश्रण के इस्तेमाल से पिंपल्स के गड्ढे दूर हो सकते हैं। रात में सोने से पहले इस मिश्रण को अपने चेहरे पर जरूर लगाएं। इससे आपको बेहतरीन रिजल्ट मिलेगा।

दही से पाएं पिंपल्स के गड्ढों से राहत

दही आपके स्किन को साफ करके रंगत निखारने का कार्य करता है। दही में एक बेहतरीन क्लींजिंग और एंटीइंफ्लेमेट्री गुण मौजूद होता है, जो पिंपल्स के गड्ढों को ठीक करके आपकी स्किन को हाइड्रेट करता है। साथ ही इससे आप मुंहासों की परेशानी से काफी आसानी से छुटकारा पा सकते हैं। दही का इस्तेमाल करने के लिए आप 1 चम्मच दही में करीब 1 चम्मच खीरे का रस मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिक्स करके अपने मुंहासे वाले हिस्से पर लगाएं। इसके बाद बचा हुआ पेस्ट अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद अपने चेहरे को साफ कर लें। सप्ताह में करीब 3 बार इसे जरूर एप्लाई करें। इससे आपको बहुत ही जल्द फर्क नजर आएगा।

पैरों का दर्द दूर करने के घरेलू उपाय

कई लोग पैरों में जलन महसूस करते है। आप इस समस्या को दवाओं का उपयोग करके कम कर सकते है। आज हम आपको कई पैरों की समस्याओं से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय बता रहे हैं -

मेहंदी में सिरके या नींबू का रस मिक्स करके आप एक पेस्ट बना कर पैरों पर लगाने से आराम मिलेगा।

पैरों की जलन को दूर करने के लिए आप चन्दन के पाउडर में गुलाब जल को डाल कर पेरो में लगा सकते है। इस पेस्ट को कुछ देर लगाने के बाद आप पैर पर घी भी लगा सकते है।

पैर पर लौकी के टुकडों का प्रयोग करने से आप जलन से जल्दी छुटकारा पा सकेंगे। सोने से पहले मलाई में नींबू का रस मिला कर अपने तलवों पर मलें। इससे आपके तलवे फटेंगे नहीं और आपको जलन भी महसूस नहीं होगी।

ऑलिव ऑयल से एडियों और तलवों पर रोज़ाना मसाज से तलवों की त्वचा कोमल हो जाएगी।

फटे हुए पैरों पर आप तिल के तेल की भी मालिश कर सकते है। इससे आपके तलवे एकदम सही हो जाएंगे।

खाने में जरूर शामिल करें ये नमक

जरूरत से ज्यादा नमक का सेवन न करने की सलाह हमें काफी वर्षो से दी जा रही है। कहा जाता है कि अगर हम ऐसा करते हैं तो इसके साइड इफेक्ट्स से नहीं बच सकते। हालांकि, काफी लोग ऐसे भी हैं जो नमक का सेवन बहुत ही कम करते हैं। पेट फूलने से लेकर वजन बढ़ने, शरीर में पानी भर जाना, जरूरत से ज्यादा नमक का सेवन करने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने लगती हैं। खाने में नमक कम करने की जगह कई तरह का नमक इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आइए जानते हैं कि अलग-अलग तरह के नमक और उनके फायदों के बारे में-

ये 5 तरह के नमक का इस्तेमाल आपको कई तरह के फायदे पहुंचा सकते हैं।

- नसों को मजबूत बनाने में मदद करता है।
- शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को बनाए रखता है।
- पेट फूलना और ऐंठन को कम करने में मदद करता है।
- पाचन से जुड़ी समस्याओं में मदद करता है।

ये सभी तरह के नमक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और आपके स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं। आइए जानते हैं कि इनको आप कैसे अपने खाने में शामिल कर सकते हैं?

सेंधवा

इस नमक को आमतौर पर सेंधा नमक कहा जाता है। इस नमक का इस्तेमाल ज्यादातर व्रत के लिए किया जाता है। हालांकि, अब इसका प्रयोग लोग रोज के खाने में भी करते हैं।

समुद्री नमक

समुद्री नमक को सी सॉल्ट भी कहा जाता है। इस नमक का प्रयोग दालों को भिगोने के लिए किया जाता है। साथ ही इसका इस्तेमाल नहाने में भी किया जाता है।

सौवर्चला नमक

इस नमक को काला नमक के नाम से भी जानते हैं। इसका इस्तेमाल शर्बत, चटनी या फिर गरारा करने में किया जाता है।

विदा और रोमाका नमक

इन दोनों नमक का इस्तेमाल चिकित्सीय उद्देश्य के लिए क्या जाता है।

नमक कैसे करता है हमारी मदद?

नमक भोजन के पाचन में सबसे ज्यादा कारगर है। इसलिए जब किसी को कब्ज की शिकायत होती है तो नमक खाने की इच्छा होती है। कम नमक का इस्तेमाल करने की वजह से ही आपको ज्यादा मीठा खाने की इच्छा होती है। आयुर्वेद के अनुसार, ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि नमक खाने के बाद का स्वाद मीठा होता है, इसलिए अगर हम नमक का कम सेवन करते हैं तो बाद में कुछ मीठा खाने का मन करता है। इसलिए आप अपनी डाइट में काला नमक, आम नमक, सी-सॉल्ट और रॉक सॉल्ट को जरूर शामिल करें।

बहुत फायदेमंद होती हैं लहसुन की कलियां

लहसुन का प्रयोग घर-घर में किया जाता है। इसलिए यह आसानी से आपकी किचन में ही आपको मिल जाएगा। लहसुन की कच्ची कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। लहसुन की यही छोटी सी कलियां पुरुषों के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है। क्योंकि लहसुन में एलिकिन नामक औषधीय तत्व पाया जाता है। जिसमे एंटीऑक्सिडेंट, एंटीफंगल और एंटीवायरल गुण पाए जाते हैं। इसके अलावा लहसुन में विटामिन-B और विटामिन-C पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा लहसुन में सेलेनियम, मैगनीज कैल्शियम जैसे तत्व भी पाए जाते हैं। यही वजह है कि पुरुषों को अक्सर कच्चा लहसुन खाने की सलाह दी जाती है।

पुरुषों को रात में जरूर खाना चाहिए लहसुन

पुरुषों को रात में लहसुन जरूर खाना चाहिए। क्योंकि लहसुन में एलीसिन नाम का पदार्थ पाया जाता है जो पुरुषों के मेल हार्मोन को ठीक रखता है। इसके अलावा लहसुन का सेवन करने से पुरुषों में इरेक्टाइल डिस्फंक्शन का खतरा भी दूर होता है। लहसुन में भारी मात्रा में विटामिन और सेलेनियम भी पाया जाता है, जिससे स्पर्म क्वालिटी बढ़ती है। इसलिए पुरुष अगर रात में सोने से पहले लहसुन की पांच कलियां भी खा लेंगे तो उन्हें बहुत फायदे मिलते हैं।

लहसुन से पेट रहता है साफ

आज की भागदौड़ भरी लाइफ में पेट दर्द की समस्या आम बात हो गई है। लेकिन लहसुन का सेवन करने से आपकी पेट दर्द की समस्या दूर जाती है। लहसुन की कलियों को भूनकर खाने से पेट दर्द ठीक हो जाता है। इसलिए पुरुषों को लहसुन की कलियां खाने की सलाह दी जाती है।

शरीर के खराब तत्व निकालता है बाहर

लहसुन हमारे शरीर से विषाक्त तत्व बाहर निकालता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि रात को सोने से पहले भुना हुआ लहसुन खाएं। इससे यूरिन के माध्यम से शरीर में मौजूद विषाक्त तत्व बाहर निकलते हैं। भुना हुआ लहसुन पौरुष शक्ति को बढ़ाता है। इसमें टेस्टोस्टेरोन हार्मोन बढ़ाने का गुण पाया जाता है।

चूहों से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये तरीका

चूहों के घर में होने से घर के कागज और कपड़े सुरक्षित नहीं रहते हैं। चूहे घर में रखें जरूरी कागज, कपड़ों और खाने के सामान को बर्बाद कर देते हैं। अगर आप भी चूहों से परेशान हैं तो आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं।

- तेजपत्ता खाने के स्वाद और खुशबू को बढ़ाने का काम करते हैं। पर क्या आपको पता है कि इसके इस्तेमाल से आप चूहों को भी अपने घर से भगा सकते हैं। चूहों को भगाने के लिए तेजपत्ते को जलाकर अपने घर के हर कोने में रख दें। ऐसा करने से चूहे आपके घर से बाहर चले जाएंगे।
- चूहों को घर से बाहर निकालने के लिए रुई के टुकड़ों पर पुदीने का तेल लगाकर घर के हर कोने में रख दें। ऐसा करने से चूहे आसानी से घर से बाहर चले जाते हैं।
- चूहों को प्याज की गंध पसंद नहीं होती है। घर के कोनों में प्याज रखने से चूहे घर से आसानी से बाहर निकल जाते हैं।

एवोकाडो से करें त्वचा को मॉश्चराइज

मॉश्चराइज करता है : मॉश्चराइजेशन त्वचा की जरूरत है। हालांकि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आपका स्किन टाइप क्या है। एवोकाडो में हेल्दी फैटी एसिड होता है जो त्वचा को मॉश्चराइज करने में मदद करता है। ये आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाएं रखता है। साथ ही त्वचा को पोषण देने में मदद करता है। आप चाहे तो एवोकाडो का इस्तेमाल घरेलू उपायों में कर सकते हैं।

एंटी एजिंग : आप एवोकाडो का इस्तेमाल एजिंग के लक्षणों को कम करने के लिए कर सकते हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी, विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है जो फ्री रेडिकल्स से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। ये आपकी त्वचा को नरिश रखने में मदद करता है। साथ ही झुर्रियों से छुटाकारा दिलाने में भी मदद करता है।

एक्ने से छुटकारा दिलाता है : ज्यादातर लोग मुंहासों की समस्या से परेशान रहते हैं। इसकी वजह से त्वचा में जलन महसूस होती है। आप मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए एवोकाडो को पीसकर लगाएं। इसके अलावा आप एवाकाडो युक्त क्रीम या ऑयल भी लगा सकते हैं।

धनवान और कंगाल दोनों बनाता है राहु...

जानिए ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री जी से राहु की महादशा 18 वर्ष की होती है। वहीं राहु में राहु की अंतर्दशा का काल 2 वर्ष 8 माह और 12 दिन का होता है। राहु की महादशा में राहु की अंतर्दशा अत्यंत ही पीड़ादायक होती है। इसमें जातक को जीवन में बहुत सी बाधाओं और बदनामी का सामना करना पड़ता है। इस दौरान जातक को विष से खतरा बना रहता है। इससे बचने के लिए जातक को रविवार के दिन भगवान भैरव के मंदिर में मदिरा चढ़ाना चाहिए और तेल का दीपक जलाना चाहिए, लेकिन भूलकर भी भैरव देवता को चढ़ाई गई शराब को प्रसाद मानकर आप पीने की कोशिश न करें।लावारिस शव के दाह-संस्कार के लिए शमशान में लकड़िया दान करें।

राहु में सूर्य

राहु की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा 10 माह 24 दिन की होती है। इस दौरान जातक को शत्रुओं से संकट, शस्त्र से घात, अग्नि और विष से हानि, आंखों में रोग, राज्य या शासन से भय, परिवार में कलह आदि का खतरा रहता है। इससे बचने के लिए व्यक्ति को प्रतिदिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए।

राहु में चंद्र

राहु में चंद्र की अंतरदशा एक वर्ष 6 माह की होती है। इस दौरान जातक को अत्यधिक मानसिक कष्ट होता है। जीवनसाथी से अनबन, तलाक और मृत्युतुल्य कष्ट मिलते हैं। इससे बचने के लिए माता अथवा माता की उम्र वाली महिलाओं का सम्मान और सेवा करना चाहिए। साथ ही साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए।

राहु में मंगल

राहु की महादशा में मंगल की अंतर्दशा का समय एक वर्ष 18 दिन का होता है। इस दौरान जातक को शासन व अग्नि से भय बना रहता है। साथ ही साथ चोरी, अस्त्र शस्त्र से चोट, शारीरिक पीड़ा, गंभीर रोग की भी आशंका रहती है। इससे बचने के लिए भगवान शिव की पूजा करें और उन्हें प्रत्येक मंगलवार के दिन गुलाल चढ़ाएं।

राहु की महादशा 18 वर्ष की होती है। वहीं राहु में राहु की अंतर्दशा का काल 2 वर्ष 8 माह और 12 दिन का होता है। राहु की महादशा में राहु की अंतर्दशा अत्यंत ही पीड़ादायक होती है। इसमें जातक को जीवन में बहुत सी बाधाओं और बदनामी का सामना करना पड़ता है। इस दौरान जातक को विष से खतरा बना रहता है। इससे बचने के लिए जातक को रविवार के दिन भगवान भैरव के मंदिर में मदिरा चढ़ाना चाहिए और तेल का दीपक जलाना चाहिए, लेकिन भूलकर भी भैरव देवता को चढ़ाई गई शराब को प्रसाद मानकर आप पीने की कोशिश न करें।

राहु में बुध

राहु की महादशा में बुध की अंतर्दशा की अवधि 2 वर्ष 3 माह और 6 दिन की होती है। इस दौरान जातक को धन और पुत्र की प्राप्ति के योग बनते हैं। साथ ही साथ व्यापार का विस्तार और मान, सम्मान यश और सुखों में वृद्धि होती है। इस दौरान जातक को गणपति की साधना आराधना करनी चाहिए और पक्षियों को हरी मूंग खिलाएं।

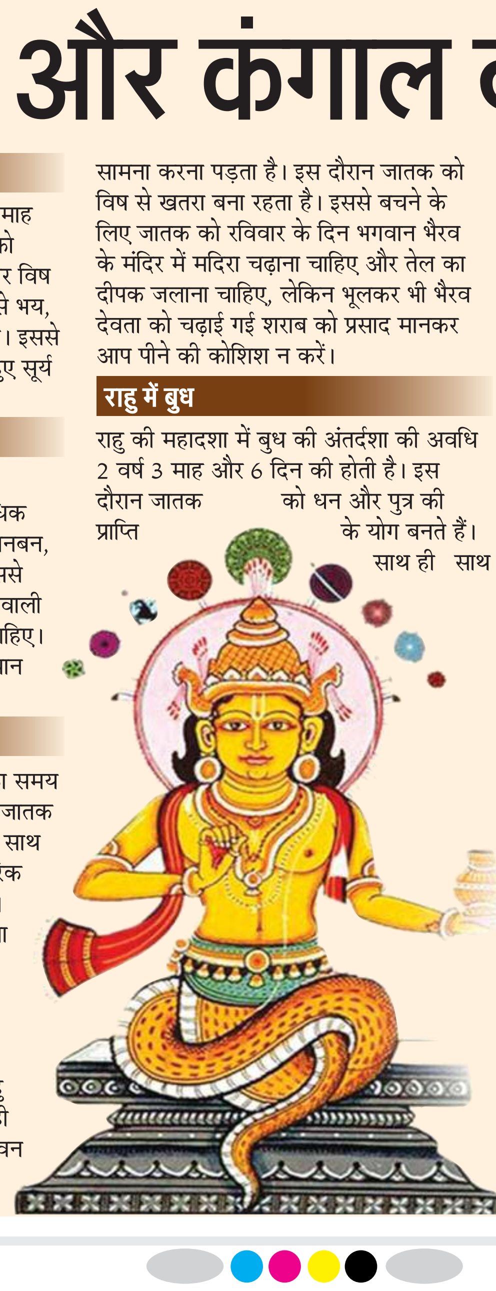

राहु में बृहस्पति

राहु की महादशा की अंतर्दशा की यह अवधि दो वर्ष चार माह और 24 दिन की होती है। राहु और देवगुरु बृहस्पति का यह संयोग सुखदायी होता है। इस दौरान जातक की सेहत और विचार दोनों ही उत्तम होते हैं। उसका धार्मिक कार्यों में खूब मन लगता है। इस दौरान जातक को किसी किसी दिव्यांग छात्र की पढ़ाई या इलाज में मदद करनी चाहिए।

राहु में शुक्र

राहु की महादशा में शुक्र की प्रत्यंतर दशा पूरे तीन साल चलती है।शुक्र अंतर्दशा के नकारात्मक प्रभाव को कम करने में मदद करता है। मूल रूप से अंत में बाधाओं और कठिनाइयों से उबरता है। हालाँकि, कुछ चुनौतियाँ अभी भी जीवन में बनी हुई रह सकती हैं। जातक विवाहित जीवन में कुछ सुधार का अनुभव कर सकता है। शुक्र यहाँ जातक को भौतिक सुख-सुविधाओं, वाहन, और विलासिता के सामानों से संपन्न करता है। जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए जातक जीवन में कड़ी मेहनत करता है। इस अवधि के दौरान पदोन्नति भी संभव है।इस अवधि में शुभ फल की प्राप्ति के लिए सांड को गुड़ या घास खिलाना चाहिए।

राहु में शनि

राहु में शनि की अंतरदशा 2 वर्ष 10 माह और 6 दिन की होती है। इस दौरान जातक के परिवार में कलह की स्थिति बनती है। नौकरी में या घर के नौकर से समस्याएं होती हैं। अचानक चोट या दुर्घटना के दुर्योग, कुसंगति आदि की आशंका होती है। इससे बचने के लिए जातक को प्रतिदिन भगवान शिव की शमी की पत्तियों से पूजन और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।

राहु में राहु

राहु की महादशा में राहु की अंतर्दशा का काल 2 वर्ष 8 माह और 12 दिन का होता है। राहु की अंतर्दशा होने पर व्यक्ति को समाज में अपमान और बदनामी का सामना करना पड़ता है। माना जाता है कि राहु के अशुभ प्रभाव की वजह से व्यक्ति को सर्पदंश या फिर कोई दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है तो जल से जुड़ी हो। कुंडली में यह दोष होने पर मन विचलित रहता है। शादीशुदा होने पर भी परस्त्री या पुरुष के प्रति आकर्षण रहता है। उपाय के तौर पर आपको रविवार के दिन भैरव मंदिर में शराब अर्पित करनी चाहिए और तेल का दीपक जलाना चाहिए। स्वयं शराब का सेवन भूलकर भी न करें। श्मशान में लकड़ियों का दान करें। किसी से बुरे वचन न बोलें।

राहु में केतु

राहु की महादशा में केतु की यह अवधि शुभ फल नहीं देती है। एक वर्ष और 18 दिन की इस अवधि के दौरान जातक को सिर में रोग, ज्वर, शत्रुओं से परेशानी, शस्त्रों से घात, अग्नि से हानि, शारीरिक पीड़ा आदि का सामना करना पड़ता है। रिश्तेदारों और मित्रों से परेशानियां व परिवार में क्लेश भी हो सकता है।

भैरवजी के मंदिर में ध्वजा चढ़ाएं। कुत्तों को रोटी, ब्रेड या बिस्कुट खिलाएं।कौओं को खीर-पूरी खिलाएं। घर या मंदिर में गुग्गुल का धूप करें।

- ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आज की रेसिपी

आलू-हरे लहसुन की सब्जी

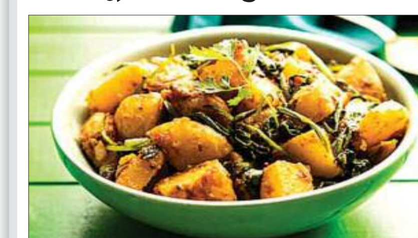

हरे लहसुन के साथ आलू और मसालों के मिश्रण से बनने वाली एक सिंधी सब्जी है। इसे बनाना बहुत ही आसान है और हरे लहसुन की वजह से इस अनोखा स्वाद मिलता है, अगली डिनर पार्टी में आप इस सब्जी को बनाकर सर्व कर सकते हैं।

सामग्री :

- 250 ग्राम हरा लहसुन, टुकड़ों में कटा हुआ
- 2 आलू
- 1/2 टी स्पून जीरा
- 2 हरी मिर्च, टुकड़ों में कटा हुआ
- 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर
- 1 टी स्पून धनिया पाउडर
- 1/2 टी स्पून आम का पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पत्ती गार्निश करने के लिए

विधि :

- एक पैन में तेल गर्म करें। जीरा डालें और चटकने तक का इंतज़ार करें।
- आलू डाले और आलू को नरम न हो लेकिन पूरी तरह से पकाया नहीं जाता है।
- सभी मसालों और लहसुन के पत्तों को डालें। ढककर 5-10 मिनट तक पकने दें। जरूरत हो तो पानी डालें।
- धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

सिंधू को विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में बाई, क्वार्टर फाइनल में ताइ जू से हो सक्ती है भिड़ंत

एजेंसी ■ हुएलवा (स्पेन)

गत चैंपियन पीवी सिंधू को यहां होने वाली बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में बाई मिली है लेकिन उन्हें क्वार्टर फाइनल में तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता ताइ जू यिंग और सेमीफाइनल में दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कारोलिना मारिन से भिड़ना पड़ सकता है। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 12 से 19 दिसंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए छठी वरीयता दी गई है। दुनिया की सातवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी अच्छी लय में हैं और अपने पिछले तीन टूर्नामेंटों में सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। सिंधू को दूसरे दौर में स्लोवेनिया की मार्टिना रेपिस्का और इंडोनेशिया की रुसेली हर्तावन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ना होगा। सिंधू अगर तीसरे दौर का मुकाबला जीतने में सफल रहती हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत चीनी ताइपे की ताइ जू से हो सकती है जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में भारतीय खिलाड़ी को हराया था। सिंधू अगर ताइ जू को हरा देती है तो सेमीफाइनल में उनका सामना मारिन से हो सकता है जिन्होंने रियो ओलंपिक 2016 के फाइनल में उन्हें हराया था। मारिन चोट से उबरने के बाद सीधे विश्व चैंपियनशिप में वापसी कर रही हैं और उस एरेना में

खेलेंगी जिसका नाम उन पर रखा गया है। ड्रॉ के दूसरे हाफ में जापान की अकाने यामागुची और कोरिया की आन सेयंग को जगह मिली है जिन्होंने ओलंपिक के बाद सभी मुख्य विश्व टूर खिताब जीते हैं। जापान की नोजोमी ओकुहारा भी दूसरे हाफ में हैं जिन्हें 2019 में सिंधू ने हराकर खिताब जीता था। तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन यू फेई अपने देश की कई अन्य खिलाड़ियों की तरह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रही हैं। पुरुष एकल में 12वें वरीय किदांबी श्रीकांत अपने अभियान की शुरुआत स्थानीय दावेदार पाब्लो आबियान के खिलाफ करेंगे। उन्हें क्वार्टर फाइनल में हमवतन बी साई प्रणीत से भिड़ना पड़ता सकता है अगर ए दोनों अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रहते हैं तो। सेमीफाइनल में इन भारतीय खिलाड़ियों का सामना गत चैंपियन और शीर्ष वरीय केंतो मोमोता से हो सकता है। युवा लक्ष्य सेन को भी श्रीकांत और प्रणीत के हाफ में रखा गया है। वह पहले दौर में जर्मनी के मैक्स वेसकिर्चेन से भिड़ेंगे। लक्ष्य अगर अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहते हैं तो उनकी भिड़ंत मोमोता से हो सकती है। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को आठवीं वरीयता मिली है और उन्हें पहले दौर में बाई मिली है। तीन अन्य भारतीय जोड़ियां मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी, एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिल तथा अरूण जॉर्ज और संयम शुक्ला भी भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी अपने अभियान की शुरुआत डेलफाइन डेलरुए और लिया पालेर्मो की फ्रांस की जोड़ी के खिलाफ करेंगे। पूजा दांडू और संजना संतोष तथा मनीष के और रुतापर्णा पांडा भी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। मिश्रित युगल में सौरभ वर्मा और अनुष्का पारिख, एमआर अर्जुन और मनीष के तथा उत्कर्ष आरोड़ा और करिश्मा वाडकर के रूप में तीन भारतीय जोड़ियां कोर्ट पर उतरेंगी।

एक नजर

आदित्य और अमी कमानी नॉकआउट दौर में

भोपाल। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के आदित्य मेहता ने पुरुषों के 6-रेड स्नूकर मैच में बुधवार को यहां मध्य प्रदेश के ऋतिज जैन को 4-1 से हराकर ग्रुप ए में अपनी तीसरी जीत दर्ज करके राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैंपियनशिप के नॉकआउट दौर में प्रवेश किया। मौजूदा राष्ट्रीय 15-रेड स्नूकर चैंपियन आदित्य ने शुरू से दबदबा बनाए रखा तथा 66-00, 64-00, 14-40, 59-07, 33-09 से जीत दर्ज की। इस बीच महिलाओं की 6-रेड चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त अमी कमानी ने रेवन्ना उमा देवी को 3-0 से हराकर चार खिलाड़ियों के ग्रुप ए में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश की अमी ने यह मैच आसानी से 53-00, 45-22, 41-01 से अपने नाम किया। इस बीच कर्नाटक की चित्रा मागीमैराज ने ग्रुप बी में अपने ही राज्य की विद्या पिल्लई को 3-1 (21-35, 43-14, 36-13, 57-00) से हराया। पुरुषों के ग्रुप ओ के मैच में रेलवे के मलकीत सिंह ने एक रोमांचक मुकाबले में पीएसपीबी के एस श्रीकृष्णा को 4-3 (45-11, 29-31, 75(70)-00, 26-39, 41(41)-04, 01-40, 44-04) से पराजित किया।

रमेश मेंडिस को छह विकेट, वेस्टइंडीज को मामूली बढ़त

गॉल (श्रीलंका)। ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस ने छह विकेट लेकर वेस्टइंडीज को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन बुधवार को यहां मामूली बढ़त हासिल करने दी। वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के 204 रन के जवाब में 253 रन बनाकर 49 रन की बढ़त हासिल की। श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 46 रन बनाए और वह अभी वेस्टइंडीज से तीन रन से पीछे है। वेस्टइंडीज ने सुबह एक विकेट पर 69 रन से आगे खेलना शुरू किया।

श्रृंखला

विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ संभव तैयारी का मौका मिल रहा है: मिताली

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत को अगले साल की शुरुआत में होने वाले महिला विश्व कप से पहले सिर्फ एक श्रृंखला खेलनी है लेकिन एकदिवसीय टीम की कप्तान मिताली राज का मानना है कि टीम को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से पहले सर्वश्रेष्ठ संभव तैयारी का मौका मिल रहा है। पिछले नौ महीने में भारत ने दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी की और फिर इंग्लैंड तथा आस्ट्रेलिया में तीन-तीन मैचों की श्रृंखला खेली। भारत ने ए तीनों श्रृंखलाएं गंवाई लेकिन आस्ट्रेलिया की बेहद मजबूत टीम को काफी पसीना बनाने को मजबूर किया और साथ ही उसकी सरजमीं पर तीसरा एकदिवसीय मुकाबला जीतकर टीम के लगातार 26 मैचों में जीत के क्रम को तोड़ा। मार्च-अप्रैल में आईसीसी टूर्नामेंट से पहले भारत विश्व कप के मेजबान न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। केएफसी और भारतीय बधिर क्रिकेट संघ के बीच बुधवार को यहां साझेदारी की घोषणा के बाद मिताली ने कहा, मार्च से हमने तीन सर्वश्रेष्ठ टीम का सामना किया और इससे हमें अच्छी तैयारी का मौका मिला। खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में खेले और महिला बिग बैश लीग में भी इसलिए उन्हें मैच खेलने का समय मिला है जो सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उन्होंने कहा, विश्व कप से पहले हमें न्यूजीलैंड से भी खेलने का मौका मिलेगा जो अच्छी बात है। दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ 250 से अधिक का स्कोर बनाने में जूझने वाली भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में दो बार ऐसा किया और अंतिम एकदिवसीय में 265 रन के लक्ष्य को हासिल किया। मिताली ने कहा, जब आप मजबूत टीम से उसकी सरजमीं पर भिड़ते हो तो आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हो। हम श्रृंखला हार गए लेकिन मैच काफी करीबी थे। हमने 270 रन बनाए और 270 के आसपास के लक्ष्य का पीछा करने में सफल रहे। अगर हम लगातार ऐसा करने में सफल रहते हैं तो हम विश्व क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल होंगे। मध्यक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है लेकिन मिताली ने कहा कि अगर विश्व कप जीतना है तो एक इकाई के रूप में सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप : दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में जर्मनी ने स्पेन को शूटआउट में 3-1 से हराया।

जर्मनी, अर्जेंटीना और फ्रांस सेमीफाइनल में

एजेंसी ■ भुवनेश्वर

छह बार के चैंपियन जर्मनी के अलावा अर्जेंटीना और फ्रांस ने बुधवार को यहां अपने अपने मैच जीतकर एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में जर्मनी ने स्पेन को शूटआउट में 3-1 से हराया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 2-2 से बराबरी पर थी। इसके बाद अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 2-1 से पराजित किया। फ्रांस ने अपना चमत्कारिक प्रदर्शन जारी रखा और तीसरे क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 4-0 से हराया। जर्मनी ने पांचवें मिनट में क्रिस्टोफर कुटेर के पेनल्टी स्ट्रोक पर किए गए गोल की मदद से बढत बना ली। इसके छह मिनट बाद ही हालांकि स्पेन के इग्नासियो अबाजो ने पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। अगले दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका। स्पेन ने 59वें मिनट में एडुअर्ड डे इग्नासियो सिमो के गोल की मदद से बढत बना ली। आखिरी सीटी बजने

पर जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर मासी फांट ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया। शूटआउट में जर्मनी के लिए पॉल स्मिथ, माइकल स्ट्रथोफ और हानेस म्यूलर ने गोल दागे जबकि मातेओ पोजारिच चूक गए। वहीं स्पेन के अगाजो, गुइलेरमो फोर्चूनो और सिमो गोल चूक गए जबकि गेरार्ड क्लापेस ने गोल किया। जूनियर विश्व कप के इतिहास की सबसे सफल टीम जर्मनी ने छह बार खिताब जीता है। उसने आखिरी बार 2013 में दिल्ली में खिताब जीता था और 2016 में लखनऊ में कांस्य पदक अपने नाम किया था। अंतिम आठ के दूसरे मैच में पहले गोल के लिए 24 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। तब 2005 के चैंपियन अर्जेंटीना ने जोकिन क्रूगर के गोल की मदद से बढ़त बनाई। लेकिन उसकी यह बढ़त एक मिनट भी नहीं रही। नीदरलैंड के मिलेस बकेन्स ने अगले मिनट में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर मध्यांतर तक स्कोर1-1 से बराबरी पर रखा। नीदरलैंड ने दूसरे हाफ में अच्छी शुरुआत की और लगातार चार पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन अर्जेंटीना का रक्षण बेहद मजबूत था और उसने ए खतरे आसानी से टाल दिए। लेकिन नीदरलैंड के तमाम प्रयास तब बेकार साबित हुए जब 59वें मिनट में आत्मघाती गोल करने के कारण उसे हार का सामना करना पड़ा। शेल्डन स्कोटेन ने तब फ्लोरिस मेडनडोर्प का क्रास रोकने के बजाय गोल में भेज दिया था। फ्रांस और मलेशिया के बीच मैच एकतरफा साबित हुआ। यूरोपीय टीम ने अपने सभी गोल पेनल्टी कार्नर पर किए। इनमें से कप्तान टिमोथी क्लेमेंट (14वें, 24वें और 60वें मिनट) ने तीन गोल करके हैट्रिक बनाई जबकि मैथियास क्लेमेंट (31वें मिनट) ने अन्य गोल किया। फ्रांस शुक्रवार को सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का सामना करेगा।

ऊषा ने याद किया, किस तरह दोबारा दौड़कर जीती थी 100 मीटर की दौड़

एजेंसी ■ मुंबई

अपने जमाने की दिग्गज फर्राटा धाविका पीटी ऊषा का 100 मीटर दौड़ में पदार्पण घटनाप्रधान रहा क्योंकि उन्हें गलती से गलत शुरुआत के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था और दर्शकों के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने दोबारा दौड़कर स्वर्ण पदक जीता था। उड़न परी ऊषा ने पीटीआई से कहा कि तिरूवनन्तपुरम में 1977 के राष्ट्रीय खेलों में वह दर्शकों के समर्थन के कारण ही 100 मीटर की दौड़ जीत पाई थी। उन्होंने कहा, जब मैंने 1977 में त्रिवेंद्रम में अपने पहले राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लिया तो मैं अंडर-14 वर्ग में थी। मैं 100 मीटर में गई थी क्योंकि मुझे फर्राटा दौड़ पसंद है। शुरू में किसी अन्य लड़की ने

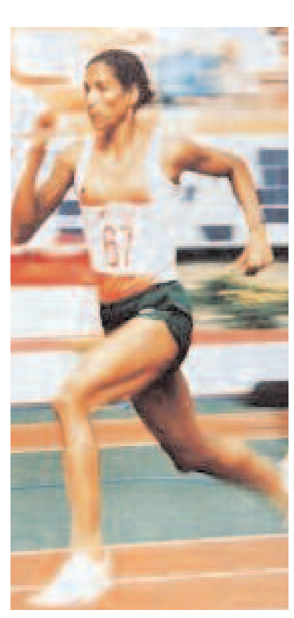

गलत शुरुआत की लेकिन अधिकारी ने मेरे नाम के आगे फाउल लिख दिया। ऊषा ने कहा, इसके बाद मेरे दाईं तरफ दौड़ रही लड़की ने गलत शुरुआत की लेकिन इसमें भी मेरे नाम के आगे फाउल लिख दिया गया। तीसरी दौड़ में उन्होंने मुझे बाहर कर दिया। उन्होंने कहा, वहां काफी दर्शक थे और वे मैदान पर आ गए। उनका कहना था कि मैंने नहीं बल्कि अन्य लड़कियों ने गलती की है। इसके बाद फिर से दौड़ हुई जिसे मैंने जीता। मेरी 100 मीटर में शुरुआत ऐसी रही थी। ऊषा ने तब पंजाब की हरजिंदर कौर को हराया था। ऊषा ने एथलेटिक्स में भारत के पहले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा की भी सराहना करते हुए कहा कि भाला फेंक के इस खिलाड़ी ने दिखाया है कि देश के एथलीट सबसे बड़े वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, लंबे अर्से बाद किसी भारतीय एथलीट ने पदक जीता। मैं और मिल्खा सिंह ओलंपिक पदक के करीब पहुंचे थे लेकिन मामूली अंतर से चूक गए थे। इस साल एथलेटिक्स में पदक का लंबा इंतजार समाप्त हो गया।

ऊषा ने कहा, नीरज का स्वर्ण पदक सभी एथलीटों के लिए प्रेरणा का काम करेगा क्योंकि अब वे जानते हैं कि एथलेटिक्स में कैसे पदक जीते जा सकते हैं। यदि वे कड़ी मेहनत करते हैं और उन्हें अन्य देशों की तरह सुविधाएं मिलती है तो ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ओलंपिक पदक जीत सकते हैं। उन्होंने (चोपड़ा) रास्ता दिखा दिया है। चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता था।

एशेज से पहले जडेजा की वीडियो देख रहे हैं लीच

एजेंसी ■ ब्रिसबेन

इंग्लैंड के स्पिनर जैक लीच ने बुधवार को कहा कि वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एशेज श्रृंखला की तैयारी की कवायद में भारत के स्पिन गेंदबाजी आलराउंडर रविंद्र जडेजा की वीडियो देख रहे हैं। आस्ट्रेलिया में पिछली गर्मियों में टेस्ट श्रृंखला में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के दौरान जडेजा की गेंदबाजी से लीच प्रभावित थे। इंग्लैंड के लिए लीच ने 16 टेस्ट में 62 विकेट चटकाए हैं लेकिन उन्होंने आस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट नहीं खेला है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह (जडेजा) भारत में जो करता है उससे उसने कुछ अधिक अलग किया। लीच ने कहा, यह देखकर अच्छा लगा। वह आमतौर पर जो करता है उसने वही किया और सफलता हासिल की लीच ने साथ ही कहा कि आस्ट्रेलिया के उनके समक्ष नाथन लियोन प्रभावशाली रहे हैं और वह देख रहे हैं कि यहां की परिस्थितियों में यह आफ स्पिनर कैसी गेंदबाजी करता है। उन्होंने कहा, वर्षों से मैं नाथन लियोन को देख रहा हूं और वह काफी प्रभावशाली रहा है। उसकी स्टॉक गेंद काफी अच्छी है और ऐसी विकेटों पर जहां काफी स्पिन नहीं मिलती वहां वह अतिरिक्त उछाल और अन्य चीजें हासिल करने का तरीका ढूंढ लेता है। लीच ने कहा, मैं इस तरह की चीजों को अपनी गेंदबाजी में शामिल करने का प्रयास कर रहा हूं लेकिन साथ ही अपने मजबूत पक्षों पर भी कायम हूं। स्टार आलराउंडर बेन स्टोक्स ने खुद को एशेज के लिए फिट घोषित किया है और लीच का मानना है कि इससे टीम को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलनी चाहिए।

सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे 30 राज्य

एजेंसी ■ पुणे

हॉकी इंडिया की 30 राज्य इकाइयां 11 दिसंबर से पिम्परी चिंचवाड़ के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में होने वाली सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। इस 10 दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन हॉकी महाराष्ट्र कर रहा है जबकि सह मेजबान पिम्परी चिंचवाड़ नगर निगम तथा पिम्परी चिंचवाड़ पुलिस है। विज्ञप्ति के अनुसार प्रतियोगिता का फाइनल 21 दिसंबर को होगा। राष्ट्रीय महासंघ ने फैसला किया है कि राष्ट्रीय चैंपियनशिप इस बार नए प्रारूप में होगी जिसमें सिर्फ राज्य इकाइयां हिस्सा लेंगी। हॉकी महाराष्ट्र 10वीं बार किसी राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। चैंपियनशिप लीग सह नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी जिसमें 30 प्रतिभागी टीम को चार-चार टीम के आठ समूहों में बांटा जाएगा। इनमें से ग्रुप ए और बी में तीन-तीन टीम होंगी। ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीमें नॉकआउट में जगह बनाएंगी।

आईपीएल : पंजाब राहुल को टीम में बनाए रखना चाहता था लेकिन यह सलामी बल्लेबाजी किसी अन्य टीम से जुड़ना चाहता है

एंडी फ्लॉवर ने पंजाब किंग्स का कोच पद छोड़ा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लॉवर ने पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से त्यागपत्र दे दिया है और उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में किसी नई टीम से जुड़ने की संभावना है। एक दशक से भी अधिक समय तक इंग्लैंड में कोच का काम करने वाले फ्लॉवर 2020 सत्र से पूर्व पंजाब किंग्स से जुड़े थे। यह पहला अवसर था जबकि वह किसी आईपीएल टीम से जुड़े थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, उन्होंने हाल में टीम को अपना त्यागपत्र भेजा। इसे स्वीकार कर लिया गया है। इसकी पूरी संभावना है कि वह किसी नई टीम

(लखनऊया अहमदाबाद) से जुड़ेंगे। इसकी पूरी संभावना है कि अगले आईपीएल में इस 53 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज को अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। फ्लॉवर पिछले दो वर्षों से मुख्य कोच अनिल कुंबले के साथ काम कर रहे थे। उन्होंने यह फैसला ऐसे समय में किया है जबकि कयास लगाए जा रहे हैं पिछले दो सत्र से पंजाब किंग्स के कप्तान रहे के एल राहुल लखनऊ फ्रेंचाइजी से जुड़ सकते हैं। पंजाब राहुल को टीम में बनाए रखना चाहता था लेकिन यह सलामी बल्लेबाजी किसी अन्य टीम से जुड़ना चाहता है। यह देखना होगा कि क्या फ्लॉवर कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में सेंट लूसिया किंग्स के कोच बने रहेंगे या नहीं।

इस फ्रेंचाइजी का स्वामित्व भी उसी समूह के पास है जो पंजाब किंग्स का मालिक है।वसीम जाफर पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी कोच और जोंटी रोड्स क्षेत्ररक्षण कोच थे। पंजाब ने जनवरी में होने वाली नीलामी से पहले केवल दो खिलाड़ियों मयंक अग्रवाल और अर्शदीप सिंह को अपनी टीम में बनाए रखा है।

आईसीसी टेस्ट खिलाड़ियों की रैंकिंग में रोहित, कोहली, अश्विन अपने स्थान पर बरकरार

एजेंसी ■ दुबई

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में रोहित शर्मा और विराट कोहली बल्लेबाजी में जबकि आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजी में अपने अपने स्थान पर बने हुए हैं। रोहित पांचवें, कोहली छठे और अश्विन दूसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक पायदान गिरकर दसवें स्थान पर हैं। अश्विन को छोड़कर भारत के बाकी तीनों खिलाड़ी कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं थे। पहला टेस्ट खेलकर मैन आफ द मैच रहे श्रेयस अय्यर 105 और 65 रन की पारियां खेलकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 75वें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल छह पायदान चढकर 66वें और रिंधिमान साहा नौ पायदान चढकर 99वें स्थान पर हैं। रविंद्र जडेजा गेंदबाजों की सूची में दो पायदान चढकर 19वें स्थान पर हैं। वह हरफनमौलाओं की सूची में भी दूसरे स्थान पर हैं। अश्विन हरफनमौलाओं में तीसरे और बल्लेबाजों में 79वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के लिए टॉम लैथम 14वें से नौवे स्थान पर पहुंच गए जिन्होंने 95 और 52 रन की पारियां खेली। गेंदबाजों में काइल जैमीसन नौवें स्थान पर हैं। टिम साउदी तीसरे स्थान पर हैं और अश्विन से एक अंक ही पीछे हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में खत्म हुए पहले टेस्ट के बाद पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पहली बार शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं। पाकिस्तान ने पहला टेस्ट आठ विकेट जीता। अफरीदी ने इस मैच में सात विकेट लिए और वह तीन पायदान चढकर पांचवें स्थान पर आ गए।